

न्यूज़ इन शॉर्ट

खड़ामाचा जंगल में 30 हाथियों का दल, वन विभाग अलर्ट
रायपुर। जशपुर जिले के पथलगांव वन परिक्षेत्र अंतर्गत खड़ामाचा जंगल में करीब 30 हाथियों का दल विचरण कर रहा है। हाथियों की मौजूदगी को देखते हुए वन विभाग ने सतर्कता बढ़ा दी है और आसपास के ग्रामीणों को लगातार सावधान किया जा रहा है। ग्रामीणों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वन विभाग द्वारा जंगल क्षेत्र और आवाजाही वाले रास्तों पर 'सावधान, जंगल में हाथी है' लिखे चेतावनी बैनर लगाए गए हैं। इनके माध्यम से ग्रामीणों को हाथियों के दल की मौजूदगी की जानकारी देने के साथ ही जंगल के रास्तों का उपयोग नहीं करने की समझाइश दी जा रही है। वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि हाथियों की मौजूदगी वाले जंगल एवं संभावित विचरण क्षेत्रों में प्रवेश न करें। हाथियों को देखने के लिए उनके नजदीक जाने, उनका पीछा करने अथवा किसी भी प्रकार का जोखिम उठाने से बचें और सुरक्षित दूरी बनाए रखें। विभाग ने ग्रामीणों से हाथियों की गतिविधियों को देखते हुए पूरी सतर्कता बरतने और वन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है। ग्रामीणों की सतर्कता और सहयोग से मानव-हाथी द्वंद्व की संभावित घटनाओं को रोकने में मदद मिलेगी।

44 साल का इंतजार खत्म, सावन बरवाल ने एशियन गेम्स मैराथन में रचा इतिहास
रायपुर। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने एशियन गेम्स 2026 की पुरुष मैराथन स्पर्धा में रतत पदक जीतकर भारत का 44 वर्षों का इंतजार समाप्त करने वाले सावन बरवाल को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। श्री चौधरी ने कहा कि सावन बरवाल की यह उपलब्धि भारतीय खेल इतिहास में गौरवपूर्ण अध्याय है। उन्होंने 2 घंटे 11 मिनट 37 सेकंड का शानदार समय निकालते हुए न केवल एशियन गेम्स में भारत को मैराथन का रजत पदक दिलाया, बल्कि नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर देश का मान भी बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि 44 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद एशियन गेम्स की मैराथन स्पर्धा में भारत के लिए पदक जीतना सावन बरवाल की कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और असाधारण धैर्य का परिणाम है। उनकी यह उपलब्धि देश के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायी है। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने सावन बरवाल के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगामी प्रतियोगिताओं में भी देश के लिए नई उपलब्धियां हासिल करने की शुभकामनाएं दीं।

धमतरी के सिरसिदा में उफान के बीच फंसा मारुति धाम का पुजारी
रायपुर। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में मुसलाधार बारिश से उपजे जलभराव के बीच राज्य आपदा मोचन बल (स्‍क‍र‍क‍्‍स) और जिला प्रशासन ने तत्‍प‍रता दिखाते हुए एक बड़ा हादसा टाल दिया। कुरुद विकासखंड श्रित ग्राम सिरसिदा के प्रसिद्ध मारुति धाम में शुक्रवार शाम से पानी के तेज बहाव के बीच फंसे मंदिर के पुजारी को स्‍क‍र‍क‍्‍स की टीम ने शनिवार सुबह सुरक्षित बाहर निकाल लिया। मिली जानकारी के अनुसार, लगातार हो रही भारी बारिश के कारण मारुति धाम मंदिर परिसर और आसपास के रास्ते पूरी तरह जलमग्न हो गए थे, जिससे आवागमन ठप हो गया था। मंदिर के पुजारी पानी के बढ़ते स्तर के कारण वहीं फंस गए। जैसे ही जिला प्रशासन को इस स्थिति की सूचना मिली, आपदा प्रबंधन टीम को तुरंत अलर्ट मोड पर लाया गया। शनिवार सुबह स्‍क‍र‍क‍्‍स के जवानों ने प्रतिकूल मौसम और जलभराव की गंभीर स्थिति के बावजूद बेहद सावधानी से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। पानी के बहाव और सुरक्षित रास्तों का त्‍वरित आकलन करते हुए जवानों ने सुरक्षित बोट के जरिए पुजारी तक पहुंच बनाई और उन्हें सकुशल रेस्क्यू कर गांव तक पहुंचाया। घटना के बाद जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन की टीमें पूरे जिले में संवेदनशील और प्रभावित क्षेत्रों पर पैनी नजर बनाए हुए हैं। प्रशासन ने राज्य के नागरिकों से अपील की है कि वे बारिश के दौरान उफान पर आए नदी-नालों, पट्टों और जलभराव वाले स्थानों पर जाने का जोखिम न उठाएं। किसी भी प्रकार की आपातकालीन स्थिति बनने पर तत्‍काल स्थानीय प्रशासन अथवा राहत दल को सूचित करें।

रायपुर : सेवा संकल्प अभियान : सेवा की कहानी: सड़क से मुख्यधारा से जुड़ा पहाड़पारा, पीएम-जनमन ने आसान की विकास की राह

नकना से पहाड़पारा तक 6.30 किलोमीटर सड़क का निर्माण, 130 की आबादी को मिली बेहतर आवागमन की सुविधा

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

दूरस्थ जनजातीय बसाहट तक पहुंची एक सड़क वहां के लोगों के लिए केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार और जरूरी सेवाओं तक पहुंच की नई राह भी है। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) के तहत नकना से पहाड़पारा तक 6.30 किलोमीटर लंबी सड़क के निर्माण से लगभग 130 की आबादी वाली दूरस्थ जनजातीय बसाहट को बेहतर सड़क संपर्क मिला है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत इस सड़क के निर्माण के लिए 482.57 लाख रुपये का प्रावधान किया गया। ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार से वित्तपोषित इस कार्य से दूरस्थ क्षेत्र में आवागमन की सुविधा बेहतर हुई है और विशेष रूप से कमजोर



जनजातीय समूह की बसाहट तक बुनियादी सुविधाओं की पहुंच मजबूत हुई है।

सड़क बनी शिक्षा, स्वास्थ्य और बाजार तक पहुंच की कड़ी

दूरस्थ क्षेत्रों में सड़क संपर्क का सीधा असर ग्रामीणों के रोजमर्रा के जीवन पर पड़ता है। नकना से पहाड़पारा तक सड़क बनने से ग्रामीणों को स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, हाट-बाजार और अन्य आवश्यक सेवाओं तक आने-जाने में

सुविधा मिल रही है। आपात स्थिति में मरीजों को स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुंचाने के साथ दैनिक जरूरतों के लिए आवागमन भी आसान हुआ है। बेहतर सड़क संपर्क से ग्रामीणों को कृषि एवं वनोपज के परिवहन में भी सुविधा मिल रही है। इससे पहाड़पारा और आसपास के क्षेत्रों के बीच संपर्क मजबूत हुआ है।

पीएम-जनमन से दूरस्थ जनजातीय बसाहट तक पहुंच रही बुनियादी सुविधा

प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान के माध्यम से विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों की बसाहटों तक सड़क सहित आवश्यक बुनियादी सुविधाओं की पहुंच बढ़ाई जा रही है। नकना-पहाड़पारा सड़क इसी दिशा में महत्वपूर्ण अधोसंरचना के रूप में ग्रामीणों के जीवन को सुगम बना रही है।

आंगन मिलन सेवा से पोषण के लिए बढ़ रही जनभागीदारी, जशपुर के 700 आंगनबाड़ी केंद्रों में हुए

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत प्रदेशभर में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम के माध्यम से आंगनबाड़ी केंद्रों को समुदाय की सक्रिय भागीदारी से जोड़ा जा रहा है। केंद्रों में माताओं और अभिभावकों के साथ बच्चों के पोषण, संतुलित आहार तथा परिवार की भूमिका पर संवाद हो रहा है। इसी क्रम में जशपुर जिले में 25 और 26 सितंबर को 171 क्लस्टर के कुल 700 आंगनबाड़ी केंद्रों में कार्यक्रम आयोजित किए गए।



गया। उपस्थित महिलाओं और समुदाय के सदस्यों ने पोषण प्रतिज्ञा भी ली।महतारी वंदन योजना और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से प्राप्त राशि का उपयोग स्वयं एवं बच्चों के पोषण पर करने वाली माताओं को 'पोषण शक्ति सम्मान' देकर प्रोत्साहित किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा

प्रदेश के आंगनबाड़ी केंद्रों में यह कार्यक्रम 6 अक्टूबर तक जारी रहेगा। आगामी आयोजनों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सहभागिता के साथ उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और पोषण संबंधी पहल करने वाले हितग्राहियों को भी सम्मानित किया जाएगा।

जशपुर में 2.69 लाख राशनकार्डधारी परिवारों तक पहुंच रही खाद्य सुरक्षा

सेवा संकल्प अभियान 2026- सेवा मेरा योगदान - जशपुर में 2.69 लाख राशनकार्डधारी परिवारों तक पहुंच रही खाद्य सुरक्षा

501 उचित मूल्य दुकानों में ई-पॉस मशीन से राशन वितरण, आधार आधारित व्यवस्था से बढ़ी पारदर्शिता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सार्वजनिक वितरण प्रणाली का प्रभावी क्रियान्वयन

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश के जरूरतमंद परिवारों तक खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत 'सेवा मेरा योगदान' की भावना के साथ जशपुर जिले में 2 लाख 69 हजार 20 राशनकार्डधारी परिवारों को 501 उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। जिले की सभी उचित मूल्य दुकानों में ई-पॉस मशीन के माध्यम से खाद्यान्न वितरण की व्यवस्था लागू है। आधार से जुड़े राशनकार्डों के माध्यम से हितग्राहियों को उनकी पात्रता के अनुसार राशन



सामग्री प्रदान की जा रही है। तकनीक आधारित इस व्यवस्था से सार्वजनिक वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी और सुव्यवस्थित बनाने में मदद मिल रही है।

2.52 लाख से अधिक बीपीएल राशनकार्डधारी परिवारों को मिल रहा लाभ

खाद्य अधिकारी ने बताया कि जशपुर जिले में 2 लाख 52 हजार 419 बीपीएल तथा 16 हजार 601

एपीएल राशनकार्डधारी परिवार हैं। इस प्रकार जिले में कुल 2 लाख 69 हजार 20 राशनकार्डधारी परिवार सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़े हैं।

501 उचित मूल्य दुकानों से गांव-गांव तक पहुंच रहा राशन

जशपुर जिले में संचालित 501 उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से शहरी क्षेत्रों के साथ दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों तक खाद्यान्न पहुंचाया जा रहा है। राशनकार्ड के मुखिया अथवा आधार से लिंक सदस्यों के सत्यापन के आधार पर ई-पॉस मशीन के माध्यम से राशन वितरण किया जाता है। राशनकार्ड की विभिन्न श्रेणियों के लिए निर्धारित पात्रता के अनुसार हितग्राहियों को प्रतिमाह खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे जरूरतमंद परिवारों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ सार्वजनिक वितरण प्रणाली का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने में मदद मिल रही है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से जरूरतमंद नागरिकों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ किसानों से समर्थन मूल्य पर धान एवं मक्का उपार्जन की व्यवस्था भी संचालित की जाती है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले में तकनीक और पारदर्शी व्यवस्था के माध्यम से शासन की खाद्य सुरक्षा योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है।

जशपुर के 212 आंगनबाड़ी केंद्रों में 'आंगन मिलन सेवा' से बढ़ी समुदाय की भागीदारी



एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में महिलाओं और बच्चों के बेहतर पोषण के साथ आंगनबाड़ी केंद्रों से समुदाय की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत 'सेवा मेरा योगदान' की भावना के साथ जशपुर जिले में 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को जिले के 53 क्लस्टर के 212 आंगनबाड़ी केंद्रों में विविध गतिविधियों के माध्यम से पोषण और जनभागीदारी का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में 'मेरी आंगनबाड़ी, मेरी जिम्मेदारी' विषय पर समुदाय को जागरूक करते हुए बताया गया कि बच्चों और माताओं के बेहतर स्वास्थ्य एवं पोषण के लिए आंगनबाड़ी केंद्रों की गतिविधियों में परिवार और समुदाय की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण है।

माताओं को दी पोषण की जानकारी, दिखाई गई पोषण प्रतिज्ञा

आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम के दौरान गर्भवती एवं धात्री माताओं को पोस्टर एवं जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से संतुलित और पौष्टिक आहार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। पोषण माह के अंतर्गत आयोजित विभिन्न गतिविधियों में उपस्थित लोगों को सही पोषण के प्रति जागरूक करने के साथ पोषण प्रतिज्ञा भी दिखाई गई।

पोषण को प्राथमिकता देने वाली माताओं को 'पोषण शक्ति सम्मान'

कार्यक्रम की विशेष पहल के रूप में महतारी वंदन योजना और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से प्राप्त राशि का उपयोग स्वयं एवं बच्चों के पोषण पर करने वाली माताओं को 'पोषण शक्ति सम्मान' प्रदान किया गया। इस पहल के माध्यम से परिवार में माताओं और बच्चों के बेहतर पोषण को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

6 अक्टूबर तक आंगनबाड़ी केंद्रों में चलेगा अभियान

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों में 25 सितंबर से 6 अक्टूबर 2026 तक निरंतर आयोजित किया जाएगा। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सहभागिता से विभिन्न गतिविधियां आयोजित होंगी। साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और हितग्राहियों को सम्मानित किया जाएगा। आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों और समुदाय के बीच जुड़ाव को मजबूत करना, माताओं एवं बच्चों के पोषण स्तर में सुधार के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा जनभागीदारी के माध्यम से आंगनबाड़ी केंद्रों को और अधिक सशक्त बनाना है।

गंगरेल बांध के सभी 14 गेट खुले, महानदी के तटीय क्षेत्रों में प्रशासन अलर्ट मोड पर

गंगरेल बांध के सभी 14 गेट खुले, महानदी के तटीय क्षेत्रों में प्रशासन अलर्ट मोड पर

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

गंगरेल बांध के सभी 14 गेट खोले जाने और जांजगीर-चापा जिले में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार जांजगीर कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने महानदी के तटीय और संवेदनशील क्षेत्रों का मैदानी निरीक्षण कर जलस्तर, नदी के बहाव और सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर और एसपी संबंधित अधिकारियों से लगातार फीडबैक लेकर स्थिति की निगरानी कर रहे हैं और आवश्यकता के अनुरूप दिशा-निर्देश दे रहे हैं। कलेक्टर-एसपी ने राजस्व, पुलिस, जल संसाधन, नगर सेना सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों को पूरी तरह सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। नदी के जलस्तर और तटीय क्षेत्रों की स्थिति पर सतत निगरानी रखने के साथ ही किसी भी आपकस्मिक परिस्थिति में तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू करने के लिए आवश्यक संसाधन और उपकरण तैयार रखने के साथ ही आवश्यकता के अनुसार राशन

शिवरीनारायण में स्‍क‍र‍क‍्‍स की टीम तैनात, छ्‍क‍र‍क‍्‍स बिलासपुर से लगातार समन्वय

जिले में बाढ़ एवं आपदा की संभावित स्थिति से निपटने के



लिए होमगार्ड जवानों की जिला आपदा प्रतिक्रिया बल (छ्‍क‍र‍क‍्‍स) की दो टीमों को तैयार रखा गया है। इनमें से एक टीम को मोटर बोट एवं अन्य आवश्यक बचाव उपकरणों के साथ शिवरीनारायण में तैनात किया गया है, जबकि दूसरी टीम जिला मुख्यालय में रिजर्व रखी गई है। इसके साथ ही एसडीआरएफ बिलासपुर से लगातार संपर्क और समन्वय बनाए रखा जा रहा है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तत्‍काल अतिरिक्त सहायता प्राप्त की जा सके।

शिवरीनारायण और बसंतपुर बैराज सहित संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण

कलेक्टर-एसपी ने शिवरीनारायण क्षेत्र में महानदी के शिवरीनारायण बैराज, घाट, पुल, सांस्कृतिक भवन और बसंतपुर बैराज सहित विभिन्न संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण किया। सुरक्षा की दृष्टि से घाटों और पुलों पर बैरिकेडिंग की गई है तथा आवश्यक संख्या में पुलिस बल

तैनात किया गया है। अधिकारियों को नदी के जलस्तर और बहाव पर लगातार नजर रखने तथा परिस्थिति के अनुरूप सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान नदी पर स्थित पुल-पुलियों और आवागमन वाले क्षेत्रों की स्थिति का भी जायजा लिया गया। कलेक्टर-एसपी ने निर्देश दिए कि यदि किसी पुल या पुलिया पर पानी का बहाव आवागमन के लिए जोखिमपूर्ण हो तो तत्‍काल यातायात निर्यातित किया जाए और आवश्यकता पड़ने पर आवागमन पूरी तरह रोका जाए। ऐसे सभी स्थानों पर सतत निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

तटीय गांवों में मुनादी के निर्देश, सुरक्षित स्थानों पर आवश्यक व्यवस्था रखने कहा

कलेक्टर ने महानदी के तटीय क्षेत्रों और पूर्व में जलभराव से प्रभावित आबादी वाले इलाकों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। ग्रामीणों को संभावित जलभराव और आवश्यक सावधानियों की जानकारी मुनादी के माध्यम से देने कहा गया है। आवश्यकता पड़ने पर प्रभावित लोगों को तत्‍काल सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए पूर्व से चिन्हांकित स्थानों पर जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित रखने के निर्देश भी दिए गए हैं।

नदी और तेज बहाव वाले क्षेत्रों से दूर रहें, सेल्फी-वीडियो के लिए जोखिम न उठाएं

कलेक्टर-एसपी ने नागरिकों से अपील की है कि वे नदी, पुल-पुलियों और तेज बहाव वाले क्षेत्रों में अनावश्यक रूप से न जाएं। तेज बहाव वाले पानी के पास सेल्फी या वीडियो बनाने का जोखिम न उठाएं और प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करें। किसी भी आकस्मिक अथवा आपात स्थिति की जानकारी तत्‍काल जिला प्रशासन या संबंधित अधिकारियों को दें, ताकि समय पर राहत एवं बचाव कार्रवाई की जा सके। वर्तमान में जिले में स्थिति सामान्य है। एहतियात के तौर पर महानदी के तटीय क्षेत्रों, पुल-पुलियों और जलस्तर पर प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को पूरी तरह सतर्क रहने और किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में तत्‍काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विनय कुमार पोयाम, एसडीएम सुशी भावना साहू सहित संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

न्यूज़ इन शॉर्ट



एशियन गेम्स में छत्तीसगढ़ की बेटी संजू देवी का स्वर्णिम पदक, भारतीय महिला कबड्डी टीम ने बहारा देश का मान रायपुर। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने जापान में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय महिला कबड्डी टीम की सदस्य एवं छत्तीसगढ़ की बेटी संजू देवी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। श्री चौधरी ने कहा कि भारतीय महिला कबड्डी टीम की यह स्वर्णिम उपलब्धि पूरे देश के लिए गौरव का क्षण है। इस ऐतिहासिक सफलता में छत्तीसगढ़ की बेटी संजू देवी की भागीदारी ने प्रदेशवासियों की खुशी और गौरव को और बढ़ा दिया है। अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर तिरंगे की शान बढ़ाने वाली संजू देवी ने अपनी मेहनत, अनुशासन और खेल प्रतिभा से छत्तीसगढ़ का नाम भी रोशन किया है। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि देश की बेटियां आज खेल सहित प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और सामर्थ्य का लोहा मनवा रही हैं। उनका जज्बा, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण देश के अन्य युवाओं के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने भारतीय महिला कबड्डी टीम की सभी खिलाड़ियों को स्वर्ण पदक की शानदार उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए संजू देवी के उज्ज्वल भविष्य और आगामी प्रतियोगिताओं में निरंतर सफलता की कामना की।

ऊंची उड़ान, ऐतिहासिक पहचान...

बारानिका एलंगोवन ने एशियन

गेम्स में रचा इतिहास

रायपुर। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने एशियन गेम्स 2026 की महिला पोल वॉल्ट स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचने वाली बारानिका एलंगोवन को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। श्री चौधरी ने कहा कि बारानिका एलंगोवन ने महिला पोल वॉल्ट स्पर्धा में भारत को एशियन गेम्स इतिहास का पहला पदक दिलाकर पूरे देश को गौरवान्वित किया है। उनकी यह ऐतिहासिक छलांग भारतीय एथलेटिक्स के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि बारानिका की मेहनत, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प ने साबित किया है कि लक्ष्य बड़ा हो तो मजबूत संकल्प के साथ नई ऊंचाइयों को छुआ जा सकता है। उनकी यह उपलब्धि देश की युवा खेल प्रतिभाओं, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणादायी है। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने बारानिका एलंगोवन के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगामी प्रतियोगिताओं में और बड़ी सफलताएं हासिल करने के लिए शुभकामनाएं दीं।

सेवा सेतु से दूरस्थ अंचलों में

नागरिक सेवाओं तक पहुंच हुई

आसान

रायपुर शासन की डिजिटल पहल सेवा सेतु के माध्यम से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों तक विभिन्न शासकीय सेवाएं अब सरल और सुविधाजनक तरीके से पहुंच रही हैं। डिजिटल व्यवस्था के जरिए आवश्यक प्रमाण-पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया आसान होने से ग्रामीणों को शासकीय कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर लगाने से राहत मिल रही है। इसी कड़ी में एलीना कुंदर को सामाजिक प्रारिथति प्रमाण-पत्र (अनुसूचित जनजाति) प्रदान किया गया। यह प्रमाण-पत्र सेवा सेतु केंद्र, ग्राम पंचायत नेलसनार के जन सुविधा केंद्र के माध्यम से तैयार किया गया। सेवा सेतु के माध्यम से प्रमाण-पत्र की प्रक्रिया पूरी होने से हितग्राहियों को आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने में सुविधा हो रही है। डिजिटल माध्यम से सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होने से ग्रामीण नागरिकों के समय और श्रम की बचत हो रही है तथा शासकीय सेवाओं तक उनकी पहुंच आसान हो रही है। सेवा सेतु केंद्रों के माध्यम से आय, जाति, निवास, विवाह पंजीयन एवं सामाजिक प्रारिथति प्रमाण-पत्र सहित विभिन्न शासकीय सेवाएं नागरिकों तक पहुंचाई जा रही हैं। इससे दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं की पहुंच बढ़ रही है और नागरिकों के लिए शासकीय प्रक्रियाएं अधिक सरल, सहज और सुविधाजनक बन रही हैं।

चिरायु योजना से लौटी बस्तर की मासूम परिक्रमा की दुनिया में आवाज

चिरायु योजना से लौटी बस्तर की मासूम परिक्रमा की दुनिया में आवाज

एक सत बुलेटिन > रायपुर

बस्तर जिले के एक साधारण परिवार की नन्ही बेटी परिक्रमा साहू के जीवन में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की 'चिरायु' टीम और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के साझा प्रयासों से एक नई सवेरा आया है। जन्म से ही सुनने और बोलने की क्षमता से वंचित परिक्रमा अब न केवल हर ध्वनि को सुन और पहचान पा रही है, बल्कि एक सामान्य बच्चे की तरह खुशहाल जीवन जीते हुए स्कूल भी जाने लगी है। यह सुखद और प्रेरणादायक बदलाव जगदलपुर के अधनपुर निवासी श्री अनुप साहू के परिवार में देखने को मिला है। जब परिक्रमा मात्र तीन वर्ष की थी, तब चिरायु टीम नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के सिलसिले में स्थानीय आंगनबाड़ी केंद्र पहुंची थी। वहाँ टीम के सदस्यों ने देखा कि एक मासूम बच्ची एक कोने में बिल्कुल शांत और अपने आप में खोई बैठी है। बातचीत करने की कोशिश पर जब बच्ची की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, तो आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से इस संबंध में पूछताछ की गई। कार्यकर्ता ने जानकारी दी कि यह बच्ची जन्म से ही न तो कुछ सुन पाती है और न ही बोल पाती है।



इसके बाद तत्काल बच्ची के माता-पिता को बुलाया गया। बातचीत के दौरान परिवर्जनों ने अपनी व्यथा साझा करते हुए बताया कि बच्ची जन्मजात बधिरता से ग्रसित है और वे इसे अपनी नियत मानकर उसके दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनवाने का

प्रयास कर रहे थे। चिरायु टीम ने माता-पिता को ढाँस बंधाया और समझाया कि आधुनिक चिकित्सा और सर्जरी के जरिए इस जन्मजात समस्या का पूरी तरह समाधान संभव है तथा ऑपरेशन के बाद बच्ची सामान्य बच्चों की तरह सुन सकेगी। परिवर्जनों की सहमति के बाद बच्ची को तुरंत महारानी जिला अस्पताल जगदलपुर स्थित जिला शीघ्र हस्तक्षेप इकाई लाया गया। यहाँ बच्ची की आवश्यक 'बेरा' जांच की गई और विशेषज्ञ उपचार के लिए उसे अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायपुर रेफर किया गया। एम्स के चिकित्सकों ने परीक्षण के उपरांत कॉकलियर इम्प्लांट सर्जरी की सलाह दी, थरेप्टी सर्जरी से पूर्व लगभग एक वर्ष तक अनिवार्य ऑडियोलॉजी परीक्षण आवश्यक थी, जिसे जिला शीघ्र हस्तक्षेप इकाई जगदलपुर के माध्यम से पूरी निष्ठा के साथ संपन्न कराया गया। आवश्यक प्रारंभिक प्रक्रियाएं पूर्ण होने के बाद 1 अप्रैल 2024 को एम्स रायपुर में बच्ची का सफल कॉकलियर इम्प्लांट ऑपरेशन किया गया। सर्जरी के उपरांत बच्ची के जीवन में आवाजों का नया संसार खुल गया और वह सुनने में सक्षम हो गई। वर्तमान में 5 वर्ष की हो चुकी परिक्रमा को जिला शीघ्र हस्तक्षेप इकाई के माध्यम से नियमित स्पीच थेरेपी दी जा

सेवा संकल्प अभियान 2026 : सेवा मेरा योगदान- उम्र नहीं बनी हुनर की सीमा, 'जशपुर सियान आइडल' में वरिष्ठ नागरिकों ने दिखाई प्रतिभा

कांसाबेल और बगीचा में उत्साह के साथ हुई प्रतियोगिताएं, विजेता वरिष्ठजनों का शॉल-श्रीफल और प्रमाण पत्र से सम्मान

जिले के सभी विकासखंडों में हो रहा आयोजन, वरिष्ठ नागरिकों के अनुभव और प्रतिभा को मिल रहा मंच

एक सत बुलेटिन > रायपुर

उम्र के हर पड़ाव में प्रतिभा और उत्साह को अभिव्यक्त करने का अवसर मिले, इसी भावना के साथ सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत 'सेवा मेरा योगदान' पहल के तहत जशपुर जिले के सभी विकासखंडों में 'सियान सेवा संकल्प-जशपुर सियान आइडल' प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों की प्रतिभा को मंच देने के साथ उनके अनुभव, सक्रियता और सामाजिक योगदान को सम्मानित किया जा रहा है। इसी कड़ी में जनपद पंचायत कांसाबेल में आयोजित 'सियान आइडल' कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों में उन्होंने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर यह संदेश दिया कि उम्र बढ़ने के साथ जीवन का उत्साह और रचनात्मकता कम नहीं होती।

बगीचा में भी वरिष्ठजनों ने उत्साह



से दिखाई प्रतिभा

जनपद पंचायत बगीचा में भी 'सियान आइडल' के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। वरिष्ठ नागरिकों ने बड़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए अपनी कला और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आयोजन ने वरिष्ठजनों को एक-दूसरे से जुड़ने और अपनी प्रतिभा को सार्वजनिक मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर दिया।

विजेताओं का शॉल-श्रीफल और प्रमाण पत्र से सम्मान

प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले वरिष्ठ नागरिकों को शॉल, श्रीफल एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पद्मश्री श्री जागेश्वर यादव, जनप्रतिनिधिगण सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे। वरिष्ठजनों के अनुभव और योगदान को सम्मान देने की पहल 'सियान सेवा संकल्प-जशपुर सियान आइडल' के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों को सम्मान और सहभागिता के साथ अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिल रहा है। यह पहल समाज को वरिष्ठजनों के अनुभव, ज्ञान और योगदान का सम्मान करने तथा उन्हें सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करने का संदेश दे रही है।

बिहान' से मिली उड़ान, हेमलता पटेल ने लिखी महिला

एक सत बुलेटिन > रायपुर

सुबह की पहली किरण के साथ खेतों की ओर बढ़ते कदम, लहलहाती फसलों का जतन और शाम को बाजार में अपनी मेहनत की उपज बेचकर सम्मानजनक आय, सारंगद-बिलाईगढ़ जिले के ग्राम डोमाडीह (अ) की श्रीमती हेमलता पटेल के जीवन की यही आज नई पहचान है। कभी घर-परिवार की चौखट तक सीमित रहने वाली हेमलता आज पूरे क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन की जीवत मिसाल बनकर उभरी हैं। हेमलता के मन में हमेशा से परिवार को आर्थिक रूप से मजबूत करने और खुद के दम पर पहचान बनाने का सपना था, लेकिन संसाधनों और सही मार्गदर्शन की कमी हमेशा आड़े आती रही। इसी बीच राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' उनके जीवन में एक नया मोड़ लेकर



आया। गांव के 'खुशी स्व सहायता समूह' से जुड़ने के बाद उन्हें बचत, वित्तीय प्रबंधन और आजीविका की विविध गतिविधियों के बारे में जानने का अवसर मिला। समूह और क्लस्टर के सहयोग पर भरोसा जताते हुए उन्होंने 60 हजार रुपये का ऋण लिया और इस राशि को पारंपरिक खेती तथा सब्जी उत्पादन के विस्तार में लगा दिया।

हेमलता ने इस अवसर को केवल एक ऋण की तरह नहीं, बल्कि अपनी किस्मत बदलने के एक माध्यम के रूप में लिया। उन्होंने खेतों में पसीना बहाया, बेहतर कृषि प्रबंधन अपनाया और ताजी सब्जियां को स्थानीय बाजारों तक पहुंचाना शुरू किया। उनकी मेहनत का असर जल्द ही दिखने लगा औरहाजिर रुपये तक पहुंच गया।

पंडरीपानी में एसबीआई की नई शाखा से 60 गांवों को मिली बैंकिंग सुविधा

एक सत बुलेटिन > रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल से जशपुर जिले के फरसाबहार तहसील क्षेत्र के पंडरीपानी में भारतीय स्टेट बैंक की नई शाखा शुरू होने से क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हो गई है। नई शाखा शुरू होने से पंडरीपानी सहित आसपास के करीब 60 गांवों के ग्रामीणों को अब अपने क्षेत्र में ही बैंकिंग सेवाओं का लाभ मिल रहा है। इससे बैंकिंग कार्यों के लिए दूर जाने की परेशानी कम होने के साथ ही ग्रामीणों के समय और यात्रा खर्च की भी बचत होगी। पंडरीपानी और आसपास के ग्रामीणों को अब तक बैंकिंग कार्यों के लिए करीब 5 किलोमीटर दूर फरसाबहार जाना पड़ता था। पंडरीपानी में एसबीआई की शाखा शुरू होने के बाद अब उन्हें अपने क्षेत्र में ही आवश्यक बैंकिंग सुविधाएं मिल

रही हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्र में बैंकिंग सेवाओं की पहुंच आसान और सुविधाजनक हुई है। नई बैंक शाखा से किसानों, मजदूरों, व्यापारियों, महिलाओं, कम-कारियों और पेशेवरधारियों सहित विभिन्न वर्गों को सीधा लाभ मिलेगा। स्थानीय स्तर पर बैंकिंग सुविधा उपलब्ध होने से किसानों को कृषि ऋण सहित अन्य बैंकिंग सेवाओं के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। वहीं व्यापारियों और ग्रामीणों के लिए लेन-देन तथा अन्य वित्तीय कार्य भी अधिक सुविधाजनक होंगे। नई शाखा के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को विभिन्न प्रकार की ऋण सुविधाओं का लाभ भी स्थानीय स्तर पर मिल सकेगा। इनमें होम लोन, कार लोन और शिक्षा ऋण सहित अन्य बैंकिंग सुविधाएं शामिल हैं। इससे क्षेत्रवासियों को अपनी वित्तीय आवश्यकताओं के लिए दूर जाने के बजाय नजदीक ही बैंकिंग सेवाएं प्राप्त करने में सहूलियत होगी।



एक सत बुलेटिन > रायपुर

प्रदेश भर में जारी मूसलाधार बारिश के बीच धमतरी जिले में आपदा प्रबंधन का अनुकरणीय उदाहरण सामने आया है। जलभराव और बाढ़ की स्थिति से बेखर हुए 15 प्रभावित परिवारों के 54 सदस्यों को सुरक्षित निकालकर कोलियरी स्थित शमधुरिमाश स्किल डेवलपमेंट सेंटर में बनाए गए राहत शिविर में ठहराया गया है। संकट की इस घड़ी में यह सेंटर प्रभावितों के लिए एक बड़ा संबल साबित हो रहा है। जिला प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए राहत शिविर में भोजन, चाय-नाश्ता, विश्राम, स्वच्छ पेयजल और स्वास्थ्य सुविधाओं का पुख्ता इंतजाम किया है। शिविर में विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की आवश्यकताओं पर ध्यान दिया जा रहा है, ताकि उन्हें

सुरक्षित वातावरण के साथ-साथ अपनेपर और भरोसे का अहसास हो सके।

मैदानी व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और एसडीएम धमतरी लगातार राहत शिविर का निरीक्षण कर रहे हैं। दोनों अधिकारी प्रभावित परिवारों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं को सुन रहे हैं और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही दिशा-निर्देश जारी कर रहे हैं। धमतरी जिला प्रशासन ने राज्य के नागरिकों और स्थानीय निवासियों से अपील की है कि वे उफान पर बह रहे नदी-नालों, जलभराव वाले क्षेत्रों और तेज बहाव वाले स्थानों से उचित दूरी बनाए रखें। किसी भी आपात स्थिति में तुरंत प्रशासनिक व बचाव दल से संपर्क कर सहयोग करें।

बलौदाबाजार जिला प्रशासन की सतर्कता से बाढ़ प्रभावित 120 लोगों का सफल रेस्क्यू



एक सत बुलेटिन > रायपुर

बलौदाबाजार भाटापारा जिले में पिछले दिनों हुई तेज बारिश के कारण नदी-नाले का जल स्तर बढ़ गया है जिससे अनेक स्थानों पर बाढ़ की स्थिति निर्मित हो गई है। कुछ गांव में पानी ज्यादा बढ़ने के कारण फंसे 120 लोगों को जिला प्रशासन एवं आपदा राहत टीम की मुस्तैदी से सफल रेस्क्यू किया गया और सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बाढ़ प्रभावित कुल 120 व्यक्तियों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया गया है, इसमें तहसील कसडोल के ग्राम बल्दाकछार के 38

व्यक्ति, तहसील पलारी के ग्राम अमेवेली में 44 व्यक्ति, ग्राम मोहान में 23 व्यक्ति तथा तहसील सिमगा के ग्राम गणेशपुर के 15 व्यक्ति शामिल हैं।

बाढ़ आपदा से सम्बंधित सहायता के लिये जिला प्रशासन द्वारा जिला कंट्रोल रूम नंबर 07727222454 जारी किया गया है। इस नंबर पर बाढ़ से संबंधित किसी भी प्रकार की सहायता, सूचना, बचाव एवं राहत कार्यों के लिये संपर्क कर सकते हैं। जिला प्रशासन द्वारा लोगों से अपील किया गया है कि नदी -नाले किनारे न जाएं, गांव -मोहल्ले के आस -पास पानी भरने की स्थिति में स्थानीय प्रशासन या कंट्रोल रूम को तत्काल सूचित करें।

न्यूज़ इन शॉर्ट



सेवा संकल्प अभियान- कंटूर ट्रेंच से जल संरक्षण को मिलेगी नई मजबूती, कलेक्टर ने दिए सुरक्षा के साथ गुणवत्तापूर्ण कार्य के निर्देश

एमसीबी सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में जल संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार एवं आजीविका को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का सतत निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में वीबी-जी राम जी योजना के अंतर्गत कराए जा रहे कंटूर ट्रेंच निर्माण कार्य का कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य की प्रगति, गुणवत्ता और कार्यस्थल पर श्रमिकों के लिए उपलब्ध सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कंटूर ट्रेंच निर्माण कार्य का उद्देश्य वर्षा जल को बहकर बाहर जाने से रोकना तथा उसे भूमि में अधिक से अधिक समाहित कराना है। इससे मिट्टी में नमी का संरक्षण होता है और भू-जल स्तर के पुनर्भरण में मदद मिलती है। विशेषकर वनांचल एवं ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के जल संरक्षण कार्य खेती-किसानी, वनस्पतियों और स्थानीय जल स्रोतों के लिए उपयोगी साबित हो सकते हैं। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से जल संरक्षण को जनभागीदारी एवं सतत विकास से जोड़ते हुए ऐसे कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कंटूर ट्रेंच का निर्माण निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्वक कराया जाए। उन्होंने कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा निर्माण के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण से जुड़े कार्यों का लाभ लंबे समय तक ग्रामीण क्षेत्रों को मिल सके, इसके लिए निर्माण की गुणवत्ता और उपयोगिता दोनों पर विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक है। श्रमिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता

कलेक्टर ने कार्यस्थल पर श्रमिकों की सुरक्षा व्यवस्था का भी जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि कंटूर ट्रेंच निर्माण के दौरान कीड़े-मकोड़ों एवं अन्य जीव-जंतुओं से बचाव के लिए आवश्यक सुरक्षा किट उपलब्ध रखी जाए, ताकि श्रमिक सुरक्षित वातावरण में कार्य कर सकें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सुरक्षा सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने और श्रमिकों को आवश्यक सावधानियों के संबंध में जानकारी देने के निर्देश भी दिए। ल संरक्षण के साथ रोजगार का माध्यम कंटूर ट्रेंच जैसे कार्य ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराते हैं। वर्षा जल के संरक्षण से भूमि में नमी बनी रहने, जलस्रोतों के पुनर्भरण और भविष्य में कृषि गतिविधियों को बेहतर बनाने में सहायता मिल सकती है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से ऐसे कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है, ताकि ग्रामीण विकास के साथ प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण भी सुनिश्चित हो सके। अधिकारियों ने लिया कार्यों का जायजा निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार, एसडीएम भरतपुर शशि शेखर मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर स्वप्निल वर्मा, डिप्टी कलेक्टर नेहा खलखो सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने निर्माण कार्य की वर्तमान स्थिति की जानकारी कलेक्टर को दी। कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सेवा संकल्प अभियान के उद्देश्यों के अनुरूप विकास कार्यों को समवेत, गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित तरीके से पूर्ण कराया जाए, ताकि इनका वास्तविक लाभ ग्रामीणों एवं क्षेत्र की प्राकृतिक संपदा को मिल सके।

चिरायु योजना से जन्मजात समस्या से मिली राहत, तीन बच्चों के चेहरों पर लौटी मुस्कान

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

गंगालूर के संतोष साहनी अपने सेवा साल के बेटे अयान के जन्म से कटे होट की समस्या को लेकर काफी चिंतित थे। गांव में स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान चिरायु टीम ने अयान की समस्या पहचानी। आवश्यक जांच और प्रक्रिया पूरी कर उसे उपचार के लिए रायपुर भेजा गया। जहां श्री मेडिशाइन अस्पताल में अयान का सफल उपचार होने के बाद परिवार को अब बड़ी राहत मिली है।

बीजापुर जिले के दूरस्थ अंचलों में रहने वाले दो अन्य परिवारों के बच्चे जो इसी प्रकार की समस्या से पीड़ित थे उनका उपचार चिरायु योजना के माध्यम से हुआ। इशूलनार की आठ वर्षीय अंजलि हापका और तोड़का की तीन वर्षीय सविता ताती भी जन्मजात कटे होट की समस्या से प्रभावित थीं। चिरायु टीम ने दोनों बच्चियों की भी पहचान कर उन्हें विशेषज्ञ उपचार के लिए रायपुर भेजा, जहां योजना के तहत उनका निःशुल्क उपचार कराया गया।

चिरायु योजना के तहत बच्चों में जन्मजात समस्याओं, बीमारियों, पोषण संबंधी कमियों और विकास संबंधी समस्याओं की पहचान कर उन्हें आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जाता है। अयान, अंजलि और सविता के उपचार ने उनके परिवारों को बच्चों के भविष्य के लिए हो रही



चिंता को दूर किया है। 'अयान के परिवार को मिली नई उम्मीद' अयान की समस्या की पहचान चिरायु टीम ने स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान की थी। इसके बाद टीम ने आवश्यक जांच कराई और रायपुर में उपचार की प्रक्रिया पूरी की। बेटे का उपचार हो जाने से उनके पिता संतोष साहनी और उनके पूरे परिवार की चिंता कम हुई है। अयान के चेहरे में आया बदलाव पूरे परिवार के लिए मुस्कान की सीगात लेकर आया है।

‘अंजलि और सविता के परिवारों को भी मिली बड़ी राहत’

इशूलनार निवासी अंजलि के पिता सुखमा हापका भी बेटी के उपचार को लेकर चिंतित थे। चिरायु टीम ने अंजलि को चिन्हाकित किया और रायपुर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में उसका ऑपरेशन कराया। उपचार के बाद परिवार को उसके बेहतर स्वास्थ्य की उम्मीद मिली है। इसी तरह तोड़का निवासी सविता के पिता बीजू ताती के लिए भी बेटी का उपचार होना बड़ी राहत है। चिरायु योजना के माध्यम से सविता की पहचान और उपचार संबंधी प्रक्रिया पूरी की गई। रायपुर के श्री मेडिशाइन अस्पताल में उसका सफल उपचार हुआ। परिवार ने बेटी को मिली इस सहायता पर खुशी व्यक्त की है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर बस्तर में राहत-बचाव और स्वास्थ्य सेवाएं तेज

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

बस्तर संभाग में भारी बारिश और बाढ़ से उत्पन्न परिस्थितियों के बीच मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर जिला प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग और राहत एवं बचाव दल प्रभावित क्षेत्रों में सक्रिय हैं। बाढ़ में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के साथ राहत शिविरों में भोजन, पेयजल और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। पानी उतरने के बाद संभावित जलजनित एवं संक्रामक बीमारियों को रोकथाम के लिए भी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर बस्तर में राहत-बचाव और स्वास्थ्य सेवाएं तेज मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा राहत एवं बचाव कार्यों में किसी प्रकार की कमी न रखने के निर्देश दिए हैं। प्रभावित परिवारों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने और स्वास्थ्य विभाग की टीमों को लगातार निगरानी रखने के लिए कहा गया है।

इसी क्रम में राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर सोनारपाल के पास बाढ़ के बीच फंसे करीब आधा दर्जन ट्रक चालकों और परिचालकों को राहत एवं बचाव दल ने सुरक्षित बाहर निकाला। जगदलपुर-रायपुर मार्ग पर कई फीट पानी भर जाने से लगभग पांच ट्रक फंस गए थे। लगातार बढ़ते जलस्तर के कारण चालकों और परिचालकों ने ट्रकों की छत पर शरण ली और वीडियो के माध्यम से प्रशासन से मदद की अपील की।

सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस और बचाव दल ने स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से अभियान शुरू किया। तेज बहाव और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद लाइफ जैकेट एवं अन्य बचाव उपकरणों की मदद से सभी को सुरक्षित बाहर निकाला गया। रेस्क्यू के बाद उन्हें गरम भोजन, पेयजल और ठहरने की व्यवस्था की गई।



इधर, जगदलपुर और नगरनार के राहत शिविरों में स्वास्थ्य विभाग की टीमों सेवाएं दे रही हैं। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. मैत्री के नेतृत्व में शहरी स्वास्थ्य विभाग की टीम और मितानिनों ने भगत सिंह बाई, भैरमगंज, पंचपथ और प्रवीरचंद्र बाई सहित विभिन्न शिविरों में बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। जरूरतमंदों को निःशुल्क दवाइयां भी दी गईं।

नगरनार क्षेत्र में नदी बोड़ना गांव के बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों को सुरक्षित निकालकर शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में बनाए गए राहत शिविर में रखा गया है। यहां स्वास्थ्य परीक्षण, दवाइयों, स्वच्छ पेयजल, ओआरएस और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था की गई है।

बाढ़ का पानी उतरने के बाद बीमारियों के संभावित खतरे को देखते हुए गांवों में विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय बसाक और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री रीना लक्ष्मी को मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों एवं विशेषज्ञों के सहयोग से प्रभावित गांवों में सघन स्वास्थ्य शिविर आयोजित

करने के निर्देश दिए हैं। इन शिविरों में उल्टी-दस्त, डायरिया, पोलिया, टायफाइड, त्वचा संबंधी फंगल एवं बैक्टीरियल संक्रमण सहित अन्य जलजनित बीमारियों की जांच और उपचार किया जाएगा। सर्पदंश एवं पशुदंश की आशंका को देखते हुए एंटी-वेनम और जरूरी जीवनरक्षक दवाइयां की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

स्वास्थ्य विभाग और मेडिकल कॉलेज की संयुक्त टीमों संवेदनशील एवं सुदूर गांवों तक पहुंचकर लोगों की जांच करेंगी तथा निःशुल्क दवाइयां के साथ क्लोरीन की गोलियां और ओआरएस के पैकेट वितरित करेंगी। गंभीर मरीजों को बेहतर उपचार के लिए उच्च चिकित्सा संस्थानों में रेफर किया जाएगा। ग्रामीणों को पानी उबालकर पीने, ताजा भोजन करने और घर एवं आसपास स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूक भी किया जा रहा है।

प्रशासन बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों के साथ बाढ़ के बाद उत्पन्न होने वाली स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए निगरानी और आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर रहा है।

सेवा संकल्प अभियान : कलेक्टर ने विद्यार्थियों से पूछा- पढ़ाई के बाद क्या बनना चाहते हो

मोहनटोला मिडिल स्कूल में छात्र-छात्राओं से आत्मीय संवाद, अधिकारियों ने साझा किए अपने विद्यार्थी जीवन के अनुभव

एमसीबी जिले में संचालित 'सशक्त एमसीबी सेवा संकल्प अभियान' के तहत विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करने और उनके भविष्य के लक्ष्य निर्धारित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा विद्यालयों में संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने मोहनटोला मिडिल स्कूल पहुंचकर छात्र-छात्राओं से आत्मीय संवाद किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार, एसडीएम भरतपुर शशि शेखर मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर स्वप्निल वर्मा एवं सुश्री नेहा खलखो उपस्थित रहे। कलेक्टर ने विद्यार्थियों से बातचीत की शुरुआत उनके दैनिक अध्ययन से जुड़े सहज सवालों के साथ की। उन्होंने पूछा कि वे प्रतिदिन कितने समय पढ़ाई करते हैं, कौन-से विषय उन्हें पसंद हैं और पढ़ाई पूरी करने के बाद वे क्या बनना चाहते हैं। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक अपने विचार साझा किए और अपने भविष्य के सपनों के बारे में बताया।

अधिकारियों ने साझा किए अपने विद्यार्थी जीवन के अनुभव

विद्यार्थियों के साथ संवाद को और रोचक एवं प्रेरक बनाते हुए अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार, डिप्टी कलेक्टर स्वप्निल वर्मा एवं सुश्री नेहा खलखो ने भी अपने विद्यार्थी जीवन के अनुभव साझा किए। अधिकारियों ने बताया कि पढ़ाई के दौरान नियमित मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति निरंतर प्रयास किस प्रकार आगे बढ़ने में सहायक होते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने अनुभवों से जोड़ते हुए समझाया कि प्रत्येक विद्यार्थी के लिए सफलता का रास्ता अलग हो सकता है, लेकिन नियमित पढ़ाई, समय का



सदुपयोग और अपनी रुचि के अनुरूप लक्ष्य निर्धारित करना सभी के लिए महत्वपूर्ण है। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को अपनी जिज्ञासाओं को बनाए रखने तथा कठिन विषयों से घबराने के बजाय उन्हें समझने के लिए लगातार प्रयास करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सीखने की इच्छा और निरंतर प्रयास से विद्यार्थी अपनी क्षमताओं को बेहतर तरीके से विकसित कर सकते हैं।

आज की पढ़ाई ही कल के सपनों की नींव

कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में बड़ा लक्ष्य हासिल करने की शुरुआत छोटी कक्षा और रोज की पढ़ाई से ही होती है। इसलिए विद्यार्थी अपनी वर्तमान कक्षा के पाठ्यक्रम को अच्छी तरह समझें, नियमित रूप से पढ़ाई करें और अपने लक्ष्य की दिशा में लगातार आगे बढ़ें। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने मन में यह स्पष्ट रखें कि उन्हें भविष्य में क्या बनना है और उस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अभी से तैयारी शुरू करें। पढ़ाई के साथ सामान्य ज्ञान बढ़ाने, अच्छे विचारों को अपनाने और अनुशासित दिनचर्या विकसित करने पर भी ध्यान दें। 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत जिला प्रशासन का यह प्रयास विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर उनकी जिज्ञासाओं को समझने, उन्हें प्रोत्साहित करने और शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम में दिखी सामुदायिक सहभागिता, माताओं और बच्चों को दिया सुपोषण का संदेश



एक सत बुलेटिन ➤ बिलाईगढ़

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नगर पवनी स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र परिसर में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन उत्साह एवं सामुदायिक सहभागिता के साथ किया गया। कार्यक्रम में गर्भवती एवं धात्री माताओं, बच्चों, अभिभावकों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, मितानिन, स्व-सहायता समूह की महिलाओं एवं ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य सुभाष जालान अध्यक्षता नगर अध्यक्ष कुलदीपक साहु व विशिष्ट अतिथि भाजपा जिला मंत्री एवं नगर पंचायत अध्यक्ष रामनारायण देवांगन ने की। अतिथियों ने मां सरस्वती/भारत माता के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं बच्चों को स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करना रहा। इस अवसर पर माताओं से संवाद करते हुए बच्चों के संतुलित आहार, नियमित स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण एवं

स्वच्छता के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा महतारी वंदना योजना, पोषण अभियान एवं आंगनवाड़ी सेवाओं के संबंध में उपस्थित हितग्राहियों को जानकारी दी गई तथा पात्र महिलाओं को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में 'मेरी पौष्टिक थाली' के अंतर्गत स्थानीय एवं पारंपरिक खाद्य पदार्थों से तैयार पौष्टिक व्यंजनों की प्रदर्शनी लगाई गई। महिलाओं को कम लागत में उपलब्ध स्थानीय खाद्य सामग्री से पौष्टिक भोजन तैयार करने की जानकारी दी गई। साथ ही पोषण वाटिका में पौधरोपण कर परिवारों को घर-घर पोषण वाटिका विकसित करने का संदेश दिया गया। बच्चों के लिए स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता, चित्रकला, खेल एवं मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों एवं उनकी माताओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया उपस्थित महिलाओं एवं ग्रामीणों ने बच्चों को कुपोषण से मुक्त रखने, पौष्टिक आहार अपनाने तथा स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संकल्प लिया।

प्री-मैट्रिक अ.ज.जा. कन्या छात्रावास बहरासी का निरीक्षण, पढ़ाई से प्रतियोगी परीक्षाओं तक की रणनीति पर हुई चर्चा

सेवा संकल्प अभियान- कलेक्टर ने छात्रावास की बालिकाओं से किया संवाद, सपनों को लक्ष्य में बदलने किया प्रेरित

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

जिले में संचालित 'सशक्त एमसीबी सेवा संकल्प अभियान' के तहत जनसेवा के साथ शिक्षा और युवाओं के भविष्य को मजबूत बनाने की दिशा में भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने प्री-मैट्रिक अनुसूचित जनजाति कन्या छात्रावास बहरासी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने छात्रावास में निवासरत बालिकाओं से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी पढ़ाई, रुचियों और भविष्य के सपनों के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार, एसडीएम भरतपुर शशि शेखर मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर स्वप्निल वर्मा एवं डिप्टी कलेक्टर सुश्री नेहा खलखो उपस्थित रहे।

बालिकाओं से पूछा- क्या बनना चाहती हैं, लक्ष्य को लेकर हुई चर्चा



कलेक्टर सुश्री जांगड़े ने बालिकाओं से सहज संवाद करते हुए उनकी पढ़ाई में रुचि, पसंदीदा विषय और भविष्य में वे क्या बनना चाहती हैं, इसकी जानकारी ली। उन्होंने बालिकाओं को अपने सपनों को स्पष्ट लक्ष्य में बदलने और लक्ष्य प्राप्त के लिए योजनाबद्ध तरीके से मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि किसी भी बड़े लक्ष्य की शुरुआत वर्तमान कक्षा की



पढ़ाई को गंभीरता से लेने से होती है। इसलिए छात्राओं को जिस कक्षा में वे अभी अध्ययनरत हैं, उसके पाठ्यक्रम और विषयों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। नियमित अध्ययन, समय का सही प्रबंधन और लगातार अभ्यास के माध्यम से पढ़ाई को मजबूत आधार दिया जा सकता है। अभी से बनाए आगे की पढ़ाई की रणनीति



कलेक्टर ने छात्राओं से कहा कि केवल परीक्षा पास करना ही लक्ष्य नहीं होना चाहिए, बल्कि आगे की पढ़ाई और करियर को ध्यान में रखते हुए अभी से अपनी रणनीति तैयार करनी चाहिए। उन्होंने बालिकाओं को अपनी रुचि और क्षमता के अनुरूप उच्च शिक्षा के विकल्पों की जानकारी लेने तथा भविष्य में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आवश्यक

आधार मजबूत करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए निरंतर अध्ययन, सामान्य ज्ञान, विषय की समझ, लेखन क्षमता और समय-प्रबंधन महत्वपूर्ण हैं। इसलिए छात्राएं स्कूली पढ़ाई के साथ-साथ अपनी सामान्य जागरूकता बढ़ाएं और प्रतिदिन कुछ समय अतिरिक्त अध्ययन के लिए निर्धारित करें।

सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य- शिक्षा के माध्यम से भविष्य को मजबूत बनाना

'सेवा संकल्प अभियान' के तहत जिला प्रशासन द्वारा जनकल्याण के विभिन्न क्षेत्रों के साथ-साथ विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास, मार्गदर्शन और व्यक्तित्व निर्माण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। छात्रावास निरीक्षण के दौरान बालिकाओं से सीधे संवाद इसी उद्देश्य की कड़ी है, ताकि उनकी आवश्यकताओं को समझने के साथ उन्हें भविष्य के लिए सही दिशा और प्रोत्साहन मिल सके।

विनोद कांबली वृद्धाश्रम में दिखे, VIDEO वायरल



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

पूर्व भारतीय क्रिकेटर विनोद कांबली का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में कांबली ठाणे के वृद्धाश्रम 'निदान सेंटर फॉर एल्डरली केयर' में नजर आ रहे हैं। वीडियो में कांबली कहते दिखे कि यहां अच्छी सुविधाएं हैं। यहां लोगों से बहुत प्यार और सम्मान मिल रहा है। ऐसा महसूस ही नहीं होता कि अपने घर से दूर हूं। हालांकि, कांबली वृद्धाश्रम में रहने गए हैं या नहीं, इस बात की पुष्टि नहीं हुई है। कांबली को स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें विनोद कांबली काफी समय से बीमारी, पैसों की कमी और अपनी निजी जिंदगी की परेशानियों की वजह से लगातार खबरों में रहे हैं। इससे पहले भी उनके ऐसे वीडियो वायरल हुए थे, जिनमें वे बिना किसी के सहारे चल भी नहीं पा रहे थे। कांबली के करीबी दोस्त मार्कस कूटो ने बताया था कि उनकी मानसिक स्थिति काफी नाजुक है। उनकी याददाश्त इतनी कमजोर हो गई है कि वे अक्सर भूल जाते हैं कि उन्हें क्या करना है और क्या नहीं। उन्होंने शराब छोड़ दी है, लेकिन वे अक्सर भूल जाते हैं कि उन्हें स्मोकिंग नहीं करना है। वे घर के नीचे जाकर राहगीरों या ऑटो वालों से सिगरेट मांग लेते हैं। कांबली साल 1993 से 2000 तक भारत के लिए खेले कांबली ने भारत के लिए 17 टेस्ट मैच और 104 वनडे मैच खेले हैं। उन्होंने वनडे क्रिकेट में 2477 रन बनाए, जिसमें 2 शतक और 14 अर्धशतक शामिल हैं। टेस्ट में 4 शतक के साथ उनके 1084 रन हैं। वे भारत के लिए 1993 से 2000 तक खेले। वे घरेलू क्रिकेट में आखिरी बार साल 2004 में नजर आए। कांबली ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 9665 रन बनाए। इसमें उनका हाईस्कोर स्कोर 262 रन है।

सचिन के साथ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था कांबली और सचिन तेंदुलकर के बचपन के दोस्त हैं। दोनों ने मुंबई की मशहूर कांगा लीग में एकसाथ डेब्यू किया था। तेंदुलकर-कांबली ने स्कूल में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। दोनों ने शारदाश्रम स्कूल की तरफ से खेलते हुए 664 रनों की साझेदारी निभाई थी। इस साझेदारी में कांबली ने नोटआउट 349 रन बनाए थे। यहीं से दोनों चर्चा में आए। तेंदुलकर ने 1988 में रणजी में डेब्यू किया था, जबकि कांबली को ये मौका एक साल बाद 1989 में मिला।

भारत को पोल वॉल्ट में पहली बार एशियन गेम्स मेडल



भारत ने एशियन गेम्स के पोल वॉल्ट में पहली बार मेडल जीता। बरानिका एलागोवन ने महिलाओं की पोल वॉल्ट में 4.15 मीटर की ऊंचाई पार कर ब्रॉन्ज जीता। पोल वॉल्ट में खिलाड़ी लंबी डंडी की मदद से खुद को हवा में उठाकर एक पट्टी को पार करता है। शुक्रवार को एथलेटिक्स में गुलबीर सिंह ने 10 हजार मीटर रैस में सिल्वर जीता। उन्होंने 28 मिनट 29.38 सेकेंड में रैस पूरी की। 2023 में इसी इवेंट में उन्होंने ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

कोहली बोले- 2027 में आखिरी वर्ल्ड कप खेलूंगा:ट्रॉफी के लिए सबकुछ दांव पर लगा दूंगा

वनडे में सबसे ज्यादा 54 शतक लगाने वाले बल्लेबाज

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

विराट कोहली ने कहा कि 2027 का वर्ल्ड कप भारत के लिए उनका आखिरी वर्ल्ड कप होगा। उन्होंने कहा कि वे ट्रॉफी जीतने के लिए अपना सबकुछ दांव पर लगाने को तैयार हैं।

कोहली ने कहा,

मैं मैदान पर अपना 100व देना चाहता हूं। लक्ष्य बिल्कुल साफ है- वर्ल्ड कप जीतना। 37 साल के कोहली सिर्फ वनडे क्रिकेट खेल रहे हैं। उन्होंने 2024 में टी-20 इंटरनेशनल और 2025 में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया था। विराट कोहली अब तक 4 वनडे वर्ल्ड कप खेल चुके हैं। उनके नाम वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा 54 शतक भी हैं। 2027 का वनडे वर्ल्ड कप साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में खेला जाएगा।

50 ओवर का मैच, दाईं टी-20 जितनी क्रिकेट



कोहली ने 50 ओवर के वर्ल्ड कप की शारीरिक और

मानसिक चुनौती भी बताई। उनके मुताबिक एक वनडे में खिलाड़ी को करीब दाईं टी-20 मैच जितनी क्रिकेट खेलनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि 2027 वर्ल्ड कप विदेशी परिस्थितियों में होगा। अलग-अलग मैदानों और विरोधी टीमों के खिलाफ लगातार मैच खेलने से चुनौती और बढ़ेगी। ऐसे में उनकी नजर पूरे टूर्नामेंट में अपने स्तर को बनाए रखने और टीम को खिताब तक पहुंचाने पर होगी।

2011 में धोनी की कप्तानी में वर्ल्ड कप जीते

कोहली का यह पांचवां वनडे वर्ल्ड कप होगा। 2011 में भारतीय टीम ने धोनी की कप्तानी 28 साल बाद खिताब जीता था और कोहली उस टीम का हिस्सा थे। 2023 में भारत फाइनल तक पहुंचा, लेकिन अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार गया। वर्ल्ड कप में कोहली का रिकॉर्ड भी उनके लंबे सफर को दिखाता है। उन्होंने 37 मैचों में 1,795 रन बनाए हैं। औसत 59.83 का है। उनके नाम 5 शतक और 12 अर्धशतक हैं। रोहित बोले- अभी बहुत कुछ बाकी है

रोहित ने कहा कि अभी बहुत कुछ बाकी है। जब तक वे खेल रहे हैं, उन्हें आगे देखने के लिए कुछन कुछ मिलता रहेगा। उन्होंने कहा कि उनके मन में कभी यह विचार नहीं आया कि उनका काम पूरा हो गया है। रोहित भी टेस्ट और टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं और अब सिर्फ वनडे खेल रहे हैं। दोनों की वापसी से केरल में दिखा रो-को क्रेज वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले शुक्रवार को तिरुवनंतपुरम में भारतीय टीम ने अभ्यास किया। कोहली और रोहित दोनों नेट्स में उतरे। उन्हें देखने के लिए स्टेडियम में दर्शकों की भीड़ पहुंच गई। कोहली ने कुलदीप यादव, रवींद्र जडेजा और नमन धीर की स्पिन का सामना किया। बाद में वे तेज गेंदबाजों के नेट में भी गए। रोहित ने ग्रीनफील्ड स्टेडियम में करीब 30 मिनट बल्लेबाजी की। उन्होंने तेज गेंदबाजों के खिलाफ डिफेंस पर धरोसा रखा और कुछ शानदार कट शॉट भी लगाए। वेस्टइंडीज सीरीज से शुरू होगी 2027 की तैयारी भारत का 2027 वर्ल्ड कप मिशन वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज से आगे बढ़ेगा।

व्यापार

नो-UPI-डे की खबरों को राष्ट्रीय व्यापारी संगठन ने फे क बताया

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

2 अक्टूबर को देशभर में नो क्यू डे मनाने की मीडिया रिपोर्ट्स को कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स यानी नो गलत बताया है। राष्ट्रीय व्यापारी संगठन ने कहा कि उसने ऐसा कोई ऐलान नहीं किया है। नो कहा कि डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम भारत की अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए जरूरी है और संगठन इसके सपोर्ट में है। हमारा विरोध प्रदर्शन से कोई लेना-देना नहीं है। 2 दिन पहले खबरें आई थीं कि देशभर में व्यापारी और दुकानदार 2 अक्टूबर को क्यू से पेमेंट नहीं लेंगे। सरकार के 2000 से ज्यादा के ट्रांजैक्शन पर 0.4व चार्ज के विरोध में व्यापारी संगठनों ने इस दिन नो क्यू डे मनाने का ऐलान किया है। इस दिन व्यापारी अपनी दुकानों पर लगे क्यू त्क कोड, स्कैनर, साउंड बॉक्स और अन्य डिजिटल पेमेंट डिवाइसेस को काले कपड़े से



ढक्कर विरोध जताएंगे। व्यापारियों की सरकार से 15 अक्टूबर से लागू होने जा रहे चार्ज को हटाने की मांग है।

राष्ट्रीय व्यापारी संगठन के बयान की बड़ी बातें

1. नो क्यू डे से कोई लेना-देना नहीं-कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने कहा कि संगठन 2 अक्टूबर को क्यू के बहिष्कार या नो क्यू डे का कोई प्रस्ताव पारित नहीं किया है। श्रृंखला के नाम

से चलाई जा रही ऐसी खबरें पूरी तरह गलत हैं। 2. क्षेत्रीय संगठनों का व्याक्तिगत विरोध- श्रृंखला ने बताया कि पर स्क्रूचार्ज के मुद्दे पर कुछ क्षेत्रीय या स्थानीय व्यापारिक संगठन विरोध प्रदर्शन कर सकते हैं। यह उनका अपना व्यक्तिगत फैसला है और इसे किसी भी तरह से का रख नहीं माना जाना चाहिए। 3. मीडिया और जनता से अपील ने मीडिया से अपील की है कि वे संगठन के नाम से कोई भी खबर प्रकाशित करने से पहले ऑफिशियल सोर्स से फैक्ट्स को कंफर्म जरूर करें। साथ ही व्यापारियों और आम जनता को ऑफिशियल बयानों पर ही भरोसा करने की सलाह है। महाराष्ट्र संगठन ने कहा था- देशभर के 500 संगठन विरोध में हिस्सा लेंगे इससे पहले महाराष्ट्र चैंबर ऑफ कॉमर्स, इंडस्ट्री एंड एग्रीकल्चर के अध्यक्ष रवींद्र मांगे ने कहा था कि यह आंदोलन सिर्फ महाराष्ट्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि देशभर के 500 से ज्यादा प्रमुख व्यापारी संगठन इसमें हिस्सा लेंगे।

आपने भरा ज्यादा प्रीमियम, फायदा एजेंट को मिला:नियम बदलेगा बीमा नियामक, कमीशन की सीमा तय होगी; ज्यादा रकम इन्वेस्ट होगी

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

अगर आप नई इश्योरेंस पॉलिसी लेने की सोच रहे हैं, तो यह खबर आपकी बचत से जुड़ी है। देश में बीते एक दशक से प्रीमियम लगातार महंगा होता गया, पर कवरेज का दायरा नहीं बढ़ा। वजह यह है कि बीमा कंपनियां बिजनेस बढ़ाने से ज्यादा ध्यान ब्रोकर्स को कमीशन बांटने पर देती रहीं।

अब बीमा नियामक इसे बदलने की तैयारी में है। के नए प्रस्ताव के तहत अब ब्रोकर्स के पहले साल के कमीशन की अधिकतम सीमा तय की जाएगी। इससे कंपनियों का खर्च कम होगा और आपके प्रीमियम का ज्यादा पैसा निवेश में लगेगा, जिससे आपको बेहतर रिटर्न मिलेगा। 5 साल में मैनेजमेंट खर्च घटकर 12.5व तक करना होगा वर्तमान में इश्योरेंस कंपनियों के लिए मैनेजमेंट खर्च की सीमा 30व तक है। बीमा नियामक ने इसे चरणबद्ध तरीके से कम करने का प्रस्ताव दिया है।



का मानना है कि 2023 में कंपनियों को खर्चों में जो कटौत दी गई थी, उससे ग्राहकों को कोई फायदा नहीं मिला। कंपनियां प्रीमियम तो बढ़ाती रहीं, लेकिन ग्राहकों की संख्या नहीं बढ़ी। देश की बढ़ी, पर पॉलिसी ग्राहक शून्य बीते 10 साल में लक्ष्यऔसतन 10व की दर से बढ़ी। इसी दौरान लाइफ इश्योरेंस का कारोबार 10व और जनरल इश्योरेंस 13व की रफ्तार से ही आगे बढ़ सका। आमदनी और अर्थव्यवस्था बढ़ने के बावजूद इश्योरेंस लेने वालों की संख्या में कोई खास उछाल नहीं आया।

गेट्स बोले-AI के गलत इस्तेमाल से 100 करोड़ मौतें संभव

अमेरिकी सरकार इस पर कानून बनाए; ऑस्ट्रेलिया में AI सरकारी पोर्टल हैक कर चुका

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने चेतावनी दी है कि गलत हाथों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी, दृ इतना ताकतवर हो सकता है कि इससे 100 करोड़ लोगों की मौत तक हो सकती है। एक इंटरव्यू में गेट्स ने कहा कि बुरे इशारे वाले लोगों के साथ दृ टूलस का मेल अब तक के किसी भी हथियार से ज्यादा खतरनाक हो सकता है। उन्होंने खतरे को गंभीरता से लेने को कहा है। गेट्स ने अमेरिकी सरकार से दृ पर कानून बनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि कंपनियों का कंट्रोल पर्याप्त नहीं है और सरकारी निगरानी व नियम लागू करना



जरूरी है। गेट्स ने अगस्त में प्रकाशित अपने लेख में भी दृ के तीन बड़े खतरे बताए थे।

ऑस्ट्रेलिया में दृ मॉडल ने सरकारी पोर्टल हैक किया

उधर दुनिया में पहली बार किसी दृ मॉडल ने

सरकारी पोर्टल को हैक किया है। यह घटना ऑस्ट्रेलिया में हुई। हथदंठूह का एक दृ मॉडल ऑस्ट्रेलिया के हेल्थ डेटा सिस्टम में घुस गया। उसने फाइलों तक पहुंचकर जानकारी हासिल की। इनमें हेल्थ खर्च और दवा सप्लाइ से जुड़ा डेटा था। ने इस घटना के बारे में 54 दिन बाद सरकार को बताया। इसके बाद, प्रधानमंत्री अल्बर्नीज ने न्यूयॉर्क में ओपनरूट प्रमुख सैम ऑल्टमैन से फोन पर बात कर देरी पर नाराजगी जताई। इस बीच के सैम ने कहा कि दृ पर अब कंट्रोल रखना जरूरी हो गया है। उन्होंने कहा कि अगर इंसानी कंट्रोल खोता है तो बहुत बुरा होगा।

डेटा निकालकर इंटरनेट पर डाला, हैकिंग की भी कोशिश; लैब को भनक तक नहीं लगी

बेकाबू हुआ ओपन एआई सिस्टम अमेरिकी सरकारी वेबसाइट में घुसा

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआई का सिस्टम बेकाबू हो गया। अपनी लैब को बताए बिना ही कामर्स डिपार्टमेंट और अमेरिकी शेरय मार्केट रेगुलेटर स्थाप की वेबसाइटों से डेटा निकाल लिया। अमेरिका के शिक्षा विभाग की वेबसाइट को हैक करने की भी कोशिश की। कॉमर्स डिपार्टमेंट और स्थाप की वेबसाइट पर हुई इस गड़बड़ी को खुद ओपनएआई ने सही माना है। कंपनी ने कहा कि वह शिक्षा विभाग वाले मामले की पड़ताल कर रही है। ओपनएआई के मुताबिक, उसने पिछले कुछ हफ्तों में खुद सरकारी एजेंसियों को बताया था कि उसके ऑटोमेटेड एआई एजेंट्स ने उनकी

वेबसाइटों पर अजीब हरकतें की हैं। एजेंट ने डेटा की कॉपी बनाई, इंटरनेट पर पोस्ट की

न्यू यॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में बताया गया है कि दृ एजेंट्स ने स्थाप की वेबसाइट का पब्लिक डेटा एक ऑनलाइन फोरम पर शेयर कर दिया। दृ ने ऑनलाइन मिले लॉगिन क्रेडेंशियल्स से कॉमर्स डिपार्टमेंट के तहत आने वाले सेंसेस ब्यूरो की वेबसाइट से डेटा निकाला।

कंपनी बोली- ये घटना हैकिंग के दायरे में नहीं आती

ओपनएआई का दावा है कि ये घटनाएं किसी बड़े डेटा लीक या हैकिंग के दायरे में नहीं आती हैं।

हालांकि इससे साफ है कि सिस्टम ने चिंता पैदा करने वाला काम किया। कंपनी को इन घटनाओं का पता तब चला जब वह टेक स्टार्टअप %हिंगिंग फेंस% पर अपने सिस्टम से हुई सेंधमारी की पड़ताल कर रही थी।

एजेंसियां बोलीं- कोई संवेदनशील डेटा लीक नहीं

मामला सामने आने के बाद शेरय बाजार नियामक स्थाप के प्रवक्ता ने कहा कि एआई एजेंट्स ने किसी भी नॉन-पब्लिक या गोपनीय डेटा को एक्सेस नहीं किया। एजुकेशन डिपार्टमेंट के प्रवक्ता ने बताया कि डेटाबेस को कोई नुकसान नहीं हुआ है। वहीं,

कॉमर्स डिपार्टमेंट की ओर से इस पर तुरंत कोई बयान नहीं आया है।

गूगल, मेटा, एंथ्रोपिक के दृ भी कर चुके गड़बड़ियां

अमेरिकी सरकार की वेबसाइटों से जुड़े इन मामलों के सामने आने के बाद ऐसे घटनाओं की लिस्ट और लंबी हो गई है। ओपनएआई, एंथ्रोपिक, मेटा और गूगल के एआई एजेंट्स ने कंपनियों, यूनिवर्सिटीज और सरकारी सिस्टम में सेंध लगाने या हैक करने की कोशिश की है। इनमें से कुछ कोशिशें कामयाब रहीं और कुछ नाकाम। बड़ी बात यह है कि इन सभी मामलों में खुद कंपनियों को भी बाद में पता चला कि उनका एआई पदों के पीछे क्या कर रहा था।

विचार

मेहनत का सम्मान, समय पर मेहनताना

एस.आर. पाराशर,

उप संचालक



कानून तो बने, हनक नहीं बची

दिसंबर 2012 की वह रात देश की अंतरात्मा को झकझोर गई थी। चलती बस में एक युवती के साथ हुई दरिंदगी के बाद सड़कों पर आक्रोश उमड़ा, संसद ने कानून बदले, अदालतों ने दिशा-निर्देश दिए और सरकारों ने महिला सुरक्षा के नाम पर फंड, एसओपी और तकनीकी उपायों की घोषणा की। चौदह वर्ष बाद अगस्त 2026 की एक बरसाती रात फिर वैसी ही घटना दुहराई जाती है, और हम देखते हैं कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए किए गए सारे उपायों को भुला दिया गया फिर वही सवाल उठता है कि हमने निर्भया केस से क्या सबक लिया? या हमने सिर्फ कागजों पर सुधार लिखकर ही संतोष कर लिया?ग्रेटर नोएडा के परी चौक से एक खाली स्लीपर बस में सवार हुई सोलह वर्षीय छात्रा, आईएसबीटी-कश्मीरी गेट पहुंचते-पहुंचते गैंगरेप की शिकार बन गई। ड्राइवर और कंडक्टर ने नोएडा सेक्टर-63 पहुंचाने का झूठा भरोसा दिया। करीब 43 से 47 किलोमीटर का सफर बिना किसी पिकेट पर रुके पूरा हुआ। बस में पर्दे लगे थे। बाहर से अंदर कुछ दिखाई नहीं देता था। कई सीसीटीवी पॉइंट, सीमा-चौकियां और व्यस्त एक्सप्रेसवे पार करने के बावजूद कोई हस्तक्षेप नहीं हुआ। पीड़िता ने खुद पुलिस के पास जाकर शिकायत की, आरोपी उसी रात गिरफ्तार हुए। गिरफ्तारी में तेजी सराहनीय है, पर सवाल यह है कि अपराध होते समय तंत्र कहां था?निर्भया कांड के बाद आपराधिक कानून संशोधन अधिनियम 2013 आया। बलात्कार की परिभाषा व्यापक हुई, सजा कठोर हुई, फास्ट ट्रैक अदालतें बनीं, किशोर न्याय कानून बदला गया और निर्भया फंड बना। वाहनों के शीशों पर काली फिल्म और पर्दों पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाई, ताकि बाहर से अंदर नजर रहे। सार्वजनिक यात्री वाहनों में जीपीएस ट्रैकिंग और पैनिक बटन अनिवार्य किए गए। दिल्ली की सरकारी बसों में मार्शल तैनात हुए। जांच के लिए एसओपी जारी हुए।

(एक नजर)

11 दिसंबर को शनि होंगे मार्गी

ज्योतिष शास्त्र में शनिदेव को कर्मफलदाता और न्याय का देवता माना गया है। जब शनि अपनी उल्टी चाल छोड़कर सीधी चाल चलना शुरू करते हैं, तो ज्योतिष की भाषा में इसे मार्गी होना कहा जाता है। 11 दिसंबर को शनिदेव की सीधी चाल शुरू होते ही कई राशियों के जीवन में आ रही रुकावटें समाप्त होंगी, अटकें हटूंग गति पकड़ेंगे और शुभ परिणामों की प्राप्ति होगी। आइए जानते हैं कि मार्गी होने का सही अर्थ क्या है और इससे किन राशियों का भाग्य चमकने वाला है।

जब कोई ग्रह अपनी वक्री (उल्टी) स्थिति को समाप्त करके ब्रह्मांड में अपनी सामान्य और सीधी दिशा में आगे बढ़ता है, तो उसे %मार्गी% कहते हैं। वक्री अवस्था में ग्रह अक्सर कार्यों में देरी, संघर्ष, मानसिक दबाव और ध्रम की स्थिति पैदा करते हैं। लेकिन जैसे ही ग्रह मार्गी होते हैं, उनके अशुभ प्रभावों में कमी आती है और वे अपने शुभ और पूर्ण परिणाम देने लगते हैं। शनि के मार्गी होने से करियर में उछाल खस होता है, मेहनत का उचित फल मिलने लगता है और लंबे समय से लटकें हुए कानूनी व आर्थिक मामले सुलझने लगते हैं।

वृषभ राशि: वृषभ राशि के लिए शनि का मार्गी होना अत्यंत शुभ माना जा रहा है। आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे। कार्यस्थल पर वरिष्ठ अधिकारियों का पूरा सहयोग मिलेगा।

विचार

कितना कॉस्ट इफेक्टिव है एथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम, क्या वैकल्पिक स्रोर्स अधिक किफायती है ?

अकंभर दत्ता मजूमदार

लेखक

एथेनॉल के लिए जितनी लागत लगती है, उससे कम खर्च में वैकल्पिक स्रोर्स से ऊर्जा प्राप्त की जा सकती है। भारत के इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम पर अब तक की बहस सिर्फ इस बात पर केंद्रित रही है कि इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल (E१0) के लिए ग्राहकों को कितनी कीमत चुकानी पड़ती है। ग्राहक तो शुद्ध पेट्रोल के लिए रिटेल कीमत चुकाते हैं, लेकिन असल में उन्हें जो पेट्रोल मिलता है, उसमें 20 प्रतिशत इथेनॉल मिला होता है। और चूंकि इथेनॉल की ऊर्जा क्षमता पेट्रोल के मुकाबले लगभग 20-30 प्रतिशत कम होती है, इसलिए गाड़ी की माइलेज (यानी एक लीटर पेट्रोल में गाड़ी कितना चलती है) पर असर पड़ता है और वह कम हो जाती है।माइलेज कम होने का मतलब है कि अधिक ईंधन की जरूरत पड़ती है। इससे ग्राहकों पर लागत का एक और बोझ पड़ता है।इसके अलावा, एक और तरह का खर्च तब बढ़ सकता है, जब गाड़ी का फ्यूल मैनेजमेंट सिस्टम 20 प्रतिशत इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल के हिसाब से ठीक से काम न करे और इंजन को नुकसान पहुंचाे।हाल ही में, लागत को लेकर बहस एक अलग मुद्दे पर केंद्रित हो गई है। चीनी की कीमतें बढ़ रही हैं, और वह भी भारत में ज्योहारों के मौसम के ठीक पहले, जब चीनी की मांग सबसे अधिक होती है। विपक्षी दलों का आरोप है (हालांकि उन्होंने इसके लिए कोई ठोस



सबूत नहीं दिए हैं) कि ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि चीनी बनाने में इस्तेमाल होने वाले गन्ने के रस का एक बड़ा हिस्सा इथेनॉल बनाने में इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे चीनी का उत्पादन कम हो रहा है और ग्राहकों को अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है।

सरकार ने इस बात को गलत बताया है और कहा है कि चीनी की कीमतों में बढ़ोतरी जलवायु परिवर्तन से जुड़ी

घटनाओं के कारण उत्पादन पर असर पड़ने की वजह से हुई है। उसने ऑटोमोबाइल बनाने वाली कंपनियों का हवाला देते हुए माइलेज कम होने के दावों को भी खारिज कर दिया है।उपभोक्ता पर पड़ने वाली अधिक लागत की बात का जवाब इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम से अर्थव्यवस्था को होने वाली कुल बचत से दिया गया है। सरकार का कहना है कि इससे आखिरकार पूरी अर्थव्यवस्था को फायदा होगा। जुलाई में जारी एक फैक्ट शीट में, सरकार ने इथेनॉल ब्लेंडिंग के पक्ष में चार मुख्य आंकड़े दिए।पहला आंकड़ा 1190 लाख करोड़ रुपये से अधिक का था - यह विदेशी मुद्रा की वह बचत है जो इथेनॉल से बदले गए पेट्रोल को बनाने के लिए जरूरी कीच्चे तेल (क्रूड) के आयात पर खर्च होती। वैसे, यह आंकड़ा 2014-15 में प्रोग्राम शुरू होने के बाद से अब तक का कुल जोड़ है। दूसरा आंकड़ा 310 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा कच्चे तेल के इस्तेमाल में कमी का था। तीसरा आंकड़ा कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी का था - लगभग 930 लाख मीट्रिक टन कम E१2 पैल हुई, क्योंकि इथेनॉल पेट्रोल की तुलना में अधिक साफ तरीके से जलता है। और आखिरी आंकड़ा 1160 लाख करोड़ रुपये से अधिक का था, जो उन किसानों को दिया गया जिन्होंने इथेनॉल बनाने के लिए मक्का और गन्ना जैसे फीडस्टॉक उगाए। हालांकि इन पक्के आंकड़ों पर कोई विवाद नहीं है, लेकिन कुछ बारीकियों पर भी ध्यान देना जरूरी है। उदाहरण के लिए, कच्चे तेल के आयात में हुई बचत का हिसाब-किताब माइलेज कम होने की वजह से अधिक खपत

के साथ मिलाकर देखना होगा। विदेशी मुद्रा की बचत का हिसाब-किताब उर्वरक (खाद) के आयात और घरेलू स्तर पर उर्वरक बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले फीडस्टॉक (जैसा प्राकृतिक गैस) पर खर्च होने वाली विदेशी मुद्रा के साथ मिलाकर देखना होगा, क्योंकि उर्वरक फीडस्टॉक बनाने के लिए एक जरूरी चीज है। और कार्बन फुटप्रिंट के माप का हिसाब-किताब उर्वरक के कार्बन फुटप्रिंट और साथ ही चावल और गन्ने जैसी अधिक पानी की जरूरत वाली फसलों की खेती के कार्बन फुटप्रिंट के साथ मिलाकर देखना होगा।लेकिन एक अहम बात पर चर्चा नहीं हो रही है - बायोफ्यूल वाली फसलों के लिए जमीन और पानी की कितनी जरूरत होती है।भारत में शराब बनाने वालों की संस्था, के मुताबिक, इथेनॉल बनाने में गन्ने के रस की हिस्सेदारी सिर्फ 15 फीसदी से थोड़ी अधिक है। असल में, सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला कच्चा माल मक्का है, उसके बाद दूसरे अनाज आते हैं, और सबसे आखिर में शीरा (मोलाबस) आता है, जो गन्ने के रस से चीनी बनाने के बाद बचा हुआ हिस्सा होता है।मोलासेस चीनी बनाने की प्रक्रिया में एक बाई-प्रोडक्ट के तौर पर मिलते हैं, इसे छोड़कर, बाकी सभी खेती से मिलने वाली फसलें हैं - यानी इन्हें उगाने के लिए जमीन और पानी की जरूरत होती है। इस पर चल रही राजनीतिक बहस माइलेज और चीनी की कीमतों जैसे अहम मुद्दों पर केंद्रित रही है। लेकिन इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम के असली आर्थिक पहलू को जमीन और पानी के संदर्भ में समझने की जरूरत है। और इससे भी जरूरी बात यह है ।

कि क्या उसी नतीजे को पाने का कोई बेहतर और अधिक कुशल तरीका हो सकता है। पर जनवरी 2026 में छपे एक लेख में, डेव साइंटिस्ट हेना रिची और पाब्लो रोसाडो ने हिसाब लगाया कि दुनिया अभी बायोफ्यूल बनाने के लिए लगभग 32 मिलियन हेक्टेयर जमीन का इस्तेमाल कर रही है, जिससे दुनिया की कुल ऊर्जा जरूरत का लगभग 2।24 प्रतिशत हिस्सा पूरा होता है। रिची और रोसाडो का तर्क था कि अगर हम उतनी ही जमीन पर सोलर पैनल लगा दें, तो हम 32 टेरावॉट-घंटे ऊर्जा पैदा कर सकते हैं - जो लगभग उतनी ही है जितनी पूरी दुनिया एक साल में इस्तेमाल करती है। दूसरे शब्दों में, पोलैंड के बाबरक क्षेत्रफल वाली जमीन पर सिर्फ सोलर एनर्जी का इतनाम करके दुनिया की ऊर्जा की पूरी जरूरत को पूरा किया जा सकता है।एक निजी रिन्यूएबल एनर्जी सुविधा केंद्र पर विंड टर्बाइनों के साथ सोलर पावर का एक विशाल ऐर। इस्टीमेटेड फॉर एनर्जी इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंशियल एनालिसिस ने इथेनॉल और सोलर एनर्जी की तुलना में उनकी एनर्जी एफिशिएंसी दक्षता) को मापने के लिए एक और तरीका निकाला। यह मानते हुए कि इलेक्ट्रिक गाड़ियों की बैटरी चार्ज करने के लिए सोलर एनर्जी का इस्तेमाल किया गया, और फ्यूल से चलने वाले इंजन बनाम इलेक्ट्रिक गाड़ियों की स्टैंडर्ड एफिशिएंसी रेट को ध्यान में रखते हुए, दुश्प्रश्न ने एक अनुमान लगाया। उन्होंने एक हेक्टेयर जमीन से पैदा होने वाली सोलर एनर्जी और उसी एक हेक्टेयर जमीन पर अलग-अलग रॉ मटीरियल (फीडस्टॉक) से बनने वाले इथेनॉल से गाड़ी कितनी दूर चल सकती है,



मिलती है।

समय पर भुगतान से बढ़ा काम के प्रति उत्साह

किसी भी रोजगार योजना की सफलता का महत्वपूर्ण आधार श्रमिकों का भरोसा और उनकी भागीदारी है। समय पर मजदूरी मिलने से श्रमिकों में योजना के अंतर्गत उपलब्ध रोजगार अवसरों के प्रति रुचि बढ़ी है। उन्हें यह विश्वास मिल रहा है कि काम के बदले मिलने वाला पारिश्रमिक

विचार

बेल्जियम के पीएम की भारत यात्रा



और डूझह के मुख्यालय भी हैं। यह स्थिति बेल्जियम को यूरोपीय संस्थानों के साथ भारत के व्यापक संबंधों में महत्वपूर्ण भूमिका प्रदान करती है।नई दिल्ली के लिए, बेल्जियम के साथ मजबूत संबंध दोहरे उद्देश्य पूरे कर सकते हैं-द्विपक्षीय साझेदारी को मजबूत करना और व्यापक यूरोपीय रणनीतिक और आर्थिक पारिस्थितिकी तंत्र के साथ जुड़ाव के अतिरिक्त रास्ते बनाना।जनवरी 2026 में भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (स्रज) पर बातचीत पूरी होने के बाद यह यात्रा विशेष रूप से प्रासंगिक है। यूरोपीय संघ वस्तुओं के मामले में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, साल 2024 में द्विपक्षीय वस्तु व्यापार 120 बिलियन यूरो (लगभग 13 लाख 26 हजार करोड़ रुपये) तक पहुंच गया था। इस समझौते के लागू होने के बाद बाजार पहुंच और आर्थिक संबंधों में काफी विस्तार होने की उम्मीद है।बेल्जियम के अपने आर्थिक हित इस उपरते हुए भारत-यूरोपीय संघ आर्थिक ढांचे से निकटता से जुड़े हुए हैं। यूरोपीय आयोग का अनुमान है कि 2025 में भारत को बेल्जियम का वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात व4।58 बिलियन था और 2024 में द्विपक्षीय बेल्जियम स्रजछ (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) का स्टॉक व4।54 बिलियन था।ऐतिहासिक रूप से, भारत-बेल्जियम व्यापार में हॉरे और कीमती वस्तुओं का दबदबा रहा है, जिसका मुख्य कारण वैश्विक हौरा केंद्र के रूप में एंटवर्प (टुहू2दहश्र) का महत्व और

भारत का प्रमुख हौरा-तराशने और पॉलिश करने का उद्योग है।यह संबंध अब भी महत्वपूर्ण है, लेकिन दोनों देश अब अपने आर्थिक सहयोग को फार्मास्यूटिकल्स, लाइफ साइंसेज, एडवांस्ड मैन्यूफैक्चरिंग, ग्रीन टेक्नोलॉजी, डिजिटल टेक्नोलॉजी, रक्षा और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में विविधता लाने का प्रयास कर रहे हैं। के दौरान भविष्य की दिशा स्पष्ट रूप से दिखी थी, जिसमें व्यापार और शिक्षा जगत के 300 से अधिक बेल्जियम प्रतिनिधि शामिल हुए थे। उस चर्चा में पर्यावरण के अनुकूल इस्पात और अपशिष्ट प्रबंधन से लेकर कैसर के इलाज, रक्षा और डिजिटल संचार जैसे क्षेत्र शामिल थे।रत के लिए, उद्देश्य न सिर्फ बेल्जियम की पूंजी को आकर्षित करना है, बल्कि भारत के बढ़ते विनिर्माण और नवाचार इकोसिस्टम में बेल्जियम की तकनीक और कंपनियों को एकीकृत करना भी है। बेल्जियम के लिए, भारत का बड़ा और तेजी से बढ़ता बाजार आर्थिक संबंधों को विविधता देने का एक अवसर प्रदान करता है, ऐसे समय में जब यूरोपीय व्यवसाय वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में विकल्प और अधिक लचीलापन ढूंढ़ रहे हैं।डी वेवर के साथ रक्षा मंत्री फ्रैंकेन भी होंगे, यह इस बात की ओर इशारा करता है कि संबंधों में सबसे महत्वपूर्ण बदलावों में से एक रक्षा और सुरक्षा सहयोग का एक रणनीतिक स्तंभ के तौर पर उपरना है।

बाटी

सबको भाती

राजस्थान की दाल-बाटी और चूरमा के लड्डू हमारे देश में ही लोकप्रिय नहीं है वरन् विदेशों में भी इन्हें पसंद किया जाता है। आप घर में ही तरह-तरह की दालबाटी बनाकर सभी को खिलाएं और खुद भी खाएं।

भरवां बाटी

सामग्री

3 कप आटा, आधा कप बेसन, आधा छोटा चम्मच अजवाइन, एक चौथाई चम्मच जीरा, तीन चौथाई छोटा चम्मच नमक, 3 चौथाई कप घी (मोयन के लिए), डेढ़ कप घी अतिरिक्त।



भरावन के लिए सामग्री

1 छोटी प्याज कटी हुई, आधा कप उबले हुए आलू की पिट्टी, 1 कप हरी मटर उबली हुई, 2 हरी मिर्च कटी हुई, 1 गुच्छा हरा धनिया कटा हुआ। 1 छोटा चम्मच अदरक कटा हुआ, आधा छोटा चम्मच जीरा, आधा छोटा चम्मच पिसा धनिया, आधा छोटा चम्मच लाल मिर्च पिसी हुई, 1 छोटा चम्मच नमक, आधा छोटा चम्मच गरम मसाला, 1 बड़ा चम्मच तेल।

बनाने की विधि

भरावन तैयार करने के लिए तेल गरम करें और उसमें जीरा कड़काएँ, फिर इसमें प्याज, अदरक और हरी मिर्च डालकर नरम पड़ने तक फ्राई करें। अब इसमें मटर और आलू सहित सारी सामग्री डाल दें और अच्छी तरह मिलाकर उतार लें। अब आटे में बेसन, अजवाइन, नमक, जीरा और मोयन वाला घी डालकर हाथों से रगड़कर एकसार कर लें, फिर इसमें पानी के छींटे देकर इसे गुंथ लें। गुंथे हुए आटे को घंटे भर के लिए एक और रख दें, फिर इसकी 8-10 बराबर बराबर लोइयां बना लें। अब इन लोइयों में बराबर बराबर भरवां भरकर चपटी बाटी का रूप दे दें और इन्हें गरम ओवन या फिर तंदूर या उपलों की आंच में सुनहरा ला सेंक लें। अब इन सिंकी हुई बाटियों को 3-4 मिनट घी में डुबोकर निकालें। अब स्वादिष्ट भरवां बाटी तैयार है। इन्हें मिश्रित दाल के साथ गर्म गर्म खाएं। मेहमानों को भी

मसालेदार कश्मीरी बाटी

सामग्री

1 किलो दरदरा पिसा आटा, 2 आलू उबले हुए, 250 ग्राम उबले मटर, 1 अदरक, 6-7 हरी मिर्च, 2 चम्मच लाल मिर्च, 1 चम्मच सौंफ, 1/2 टी स्पून काली मिर्च, 5 ग्राम हींग, 1 चम्मच गरम मसाला, नमक स्वादानुसार।

बनाने की विधि

दरदरे आटे में थोड़ा नमक, घी या तेल का मोयन और एक चुटकी खाने वाला मीठा सोडा डालकर कड़ा गुंथ लें। अदरक, हरी मिर्च बारीक काट कर आलू मैश कर लें, अब इसमें सारे मसाले मिला लें। आटे से गोल लड्डू बनाएं। उन्हें बीच से दबाएं और मसाला भरकर बंद कर दें। ओवन को पहले से गरम कर लें। तैयार बाटियों को रख दें। धीमी आंच पर एक तरफ से सिकाई होने पर पलटें और दूसरी तरफ से सिकने दें। जब बाटियों पर फटने वाली दरारें बनने लगीं तो उतार लें और गरमा-गरम मसालेदार कश्मीरी बाटी घी में डुबोकर परोसें।

दाल-बाटी

सामग्री

बाटी के लिए- 2 कप गेहूं का आटा, 1 टेबलस्पून रावा, 2 टेबल स्पून घी, नमक स्वाद के लिए। दाल के लिए- 1/2 कप हरी मूंग की दाल, 1 टेबलस्पून चना दाल, 1 टेबलस्पून घी, 1/2 टेबल स्पून गरम मसाला, 1 टेबलस्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 टेबलस्पून धनिया पाउडर, 1/4 टेबलस्पून हल्दी पाउडर, आधा कटा नींबू, हरा धनिया कटा हुआ, अदरक बारीक कटा हुआ, 1/2 टेबलस्पून जीरा व राई दाना, दो कप पानी।



बनाने की विधि

दाल बनाने के लिए दोनों दालों को साथ में मिलाकर कुकर में डालें और नमक व हल्दी डालकर एक कप पानी के साथ उबालें। सभी मसालों का पेस्ट बनाने के लिए आधा कप पानी में मिलाकर रख दें। अब एक कड़ाही में घी डालें व गर्म करें। सबसे पहले इसमें जीरा व सरसों दाना डालें। जब ये चटकने लगे तब बारीक कटा हुआ अदरक डालकर मसालों का पेस्ट एड करें। कुछ देर के लिए भूनें व उबली हुई दाल मिला दें। बाद में नींबू का रस मिलाएं। कटे हुए हरे धनिया से गार्निश करें। गेहूं के आटे में रावा और घी को अच्छी तरह से मिलाएं। गर्म पानी से मिश्रण को एकदम कड़ा गुंथ लें और छोटी-छोटी लोई बना लें। तंदूर या ओवन को अच्छे से गर्म करें। फिर इसमें लोईयों को हल्की आंच पर तब तक भुनने दें जब तक कि यह ब्राउन न हो जाए। ओवन से निकालकर लोई को साफ कपड़े में रखकर हल्का सा दबाएं और इसे देसी घी में डुबोएं और

यदि आप रात में किसी पार्टी या डिनर पर जा रही हैं तो अपने लुक को लेकर कुछ अलग एक्सपेरिमेंट करें जिससे आप हॉट और स्टाइलिश दिख सकें जिससे लोगों की नजरें आप पर टिक जाएं। जरूरी है कि आप अपनी ड्रेस के साथ एक्सेसरीज और मेकअप भी देख लें। क्योंकि लुक ऐसा हो जो आपको लुभावना बना दें। इसके लिए कुछ आसान से टिप्स अपनाएं।

ऐसी हो ड्रेस

- कलर्स यदि डार्क रखें तो अच्छा रहेगा। क्योंकि वह आंखों पर अच्छा इफेक्ट डालते हैं। लाइट कलर की ड्रेस ही प्रिफर करें। जैसे लाइट पिंक, ग्रीन, ब्लू आदि।
- ये कलर्स गर्ल्स बहुत ही खिलते हैं।
- इस अवसर के लिए आप थोड़ी छोटी ड्रेस पहन सकती हैं।
- शिफॉन व जोर्जेट फैब्रिक के अलावा लेस वाली ड्रेससे अच्छा विकल्प है।
- इस मौसम के लिए फ्लोरल प्रिंट वाली ड्रेससे भी स्मार्ट चुनाव है।

मेकअप

- स्किन टोन को एक समान बनाने के बाद मेकअप को आंखों पर क्रेडिट रखें। चेहरे के बाकी हिस्से पर कोई मेकअप न करें।
- यदि बालों से कोई पोनीटेल नहीं बनाना चाहती तो इन्हें अव्यवस्थित फिंशटेड जुड़े की तरह सेट करें।
- लाइनर का प्रयोग करें अथवा आइशैडो का। दोनों का प्रयोग एक साथ न करें।

नाइट में ऐसा हो

आपका लुक

- शैडो के लिए : अपनी आइलाइड पर नीले रंग के अलग-अलग शेड्स का प्रयोग करें। आपकी आंखों की बनावट के अनुरूप ये रंग हलके से लेकर गहरे नीले तक भी हो सकता है।
- लाइनर के लिए : लाइनर का इस्तेमाल ग्लिटर के साथ करें, इससे आपकी आंखें आकर्षक लगेंगी, इसका जादू और बढ़ाने के लिए थोड़ा मोटा लाइनर केट आइ की तरह बढ़ाकर लगाएं।
- अपने होठों पर न्यूट्रल शेड लगाकर थोड़ा ज्यादा लिप ग्लॉस लगाएं।
- नाखुनों को मेटैलिक नीले रंग से पेंट करें।

एक्सेसरीज

- यदि आप एक्सेसरीज हल्की पहनेंगी तो अच्छा रहेगा। क्योंकि हैवी ज्वेलरी आपकी ड्रेस के लुक को बिगाड़ देगा।
- रेंसिंग स्ट्राइप्स वाले बैग, प्लेटेड शूज और एक्सेसरीज का इस्तेमाल करें।



कपड़ों से झलकता आपका

व्यक्तित्व

किसी भी इंसान के कपड़े उसके व्यक्तित्व का आइना होते हैं। कपड़ों से न केवल किसी के रहन-सहन के बारे में पता चलता है, बल्कि सामने वाले के नेचर को समझने में भी मदद मिलती है। तो क्या यह कहना ठीक होगा कि ट्रेसिंग सेंस आपके भीतरी मन का आइना होता है? हां, यह सौ फीसदी सच है।

दरअसल, ड्रेस बिना बोले ही आपके बारे में बहुत कुछ बोल जाती है। आप किसी भी इंसान के कपड़ों से उसके रहन-सहन के बारे में आसानी से पता लगा सकते हैं। यही नहीं, उसका नेचर, फेमिली बैकग्राउंड, बिहेवियर, एजुकेशन के बारे में भी ड्रेस से काफी हद तक अंदाजा लगाया जा सकता है।

सफलता में कारगर

हाल में हुए एक सर्वे में तकरीबन 89 फीसदी लोगों ने इस बात को माना कि कंपनी में अच्छी ड्रेस सेंस आपको प्रमोशन के साथ सफलता दिलाने में कारगर होता है। इस तरह से मिली सबसेस हालांकि केवल कुछ समय के लिए होती है, लेकिन पर्सनैलिटी हमेशा मायने रखती है, जो काफी हद तक ड्रेस से जुड़ी होती है। यही नहीं, अच्छा ड्रेसिंग सेंस आपको किसी भी कंपनी में जल्दी ही अपनी जगह बनाने में भी मदद करता है।



युवा स्टाइल के मामले में सबसे पहला फोकस होता है फुटवियर्स। अपनी इमेज को सही सेट करने के लिए पहले आपका ध्यान अपने फुटवियर्स पर होना चाहिए, क्योंकि ये ही आपकी पर्सनैलिटी के बारे में बहुत कुछ बयां करते हैं। तो जानते हैं इन्हें कैरी करने का फंडा।



पहनिए स्टाइलिश

फुटवियर

आपने शूज अच्छे पहने हैं लेकिन अगर आप इन पर ध्यान दिए बिना यूं ही कुछ भी पहनकर चले जाते हैं, तो हमारी बात नोट कर लें कि इस डेट के बाद आपका यह रिलेशन आगे बढ़ना मुश्किल है। दरअसल, किसी भी पुरुष को परखने के लिए महिलाएं उनके फुटवियर्स को जरूर नोटिस करती हैं। इसलिए बेकार इंप्रेशन देने से बेहतर है कि इन पर पहले ही ध्यान दे लिया जाए, क्योंकि फ्रंट पर आए बिना ही ये फुटवियर्स आपके बारे में बहुत कुछ बोलते हैं।

- जब बात हो रिलेशन की : अगर आप डेट पर पिलप-पलॉप या कोल्हापुरी चप्पल जैसे कैजुअल फुटवियर्स पहनकर जाते हैं, तो इसका यही मतलब है कि वह मौका आपके लिए ज्यादा मायने नहीं रखता। आखिर आपने अपने लुक पर कोई एफर्ट जो नहीं किया है और आप सामने वाले को रिसपेक्ट नहीं देना चाहते। यही नहीं अगर आपके शूज क्लीन नहीं हैं या फिर इन्हें आपने सही तरीके से मेंटन नहीं किया है, तो यह देखकर लड़की यही सोचेगी कि जब आप अपने जुतों के एफर्ट नहीं ले सकते, तो रिलेशन मेंटेन करने के लिए भला कैसे मेहनत करेंगे!
- रहें कॉन्शस : ज्यादा स्टाइलिश होने के चक्कर में वे अक्सर फुटवियर्स में गलत चॉइस कर लेते हैं। फिर उनके स्टाइलिस्ट भी कई बार उन्हें सही सलाह नहीं देते। यही नहीं, यही फुटवियर्स चुनने में हाइट भी मेटर करती है। तमाम सिलेब्रिटीज में से सैफ अली खान शूज चुनने के

मामले में सबसे ज्यादा कॉन्शस और एलिगेंट हैं।

- ट्रेंड की जानकारी : यदि आप भी सैफ की केटिगरी में शामिल होना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि फुटवियर्स से जुड़ी कुछ बातें जान लें। आखिर शूज आपकी पर्सनैलिटी रिपलेवट करते हैं और इसलिए इनके ट्रेंड के बारे में जानकारी होना जरूरी है।
- स्टाइलिश लुक में दिखें : इन्हें केडस भी कहा जाता है और ये एनर्जेटिक व खुशनुमा पर्सनैलिटी दिखाते हैं। हालांकि इन्हें पसंद करने वाले अक्सर गंभीर सोच वाले नहीं होते। इन्हें आप कई

साफ-सफाई का रखें ध्यान

सैंडल, पिलप-पलॉप्स या फिर कोल्हापुरी चप्पल, ऐसे फुटवियर्स पहनने वाले की ढीली-ढाली पर्सनैलिटी को दिखाते हैं। बेशक यह आज के कॉम्पटीटिव टाइम से मेच नहीं करती। ऐसे कैजुअल फुटवियर्स दिखाते हैं कि आप अपना ख्याल नहीं रखते। वैसे, इन फुटवियर्स को पसंद करने वाले लोगों के नाखून, पैर वगैरह अक्सर साफ नहीं रहते।

कट-ऑफ जींस

बेशक ये थोड़े बोरिंग हो सकते हैं, लेकिन ये मेच्योर व एलिगेंट भी होते हैं। इन्हें ट्राउजर्स के साथ पहना जा सकता है। अगर ज्यादा फॉर्मल टच नहीं चाहते, तो कट-ऑफ जींस के साथ इन्हें कैरी करें।

अपनाए स्पोर्टी लुक

ये फुटवियर्स इन दिनों ट्रेंड में हैं। फिलहाल ये कई कलर्स में आ रहे हैं और इन्हें पहनने वाले अक्सर कॉन्फिडेंट होते हैं। अगर आप इन्हें डेट के लिए पहन रहे

हैं, तो थोड़ा स्पोर्टी लुक आजमा सकते हैं। थोड़ी-सी शाइनिंग और कलर आपके लुक को सही इमैपेटि टच देगा। अगर आपकी डेट किसी अच्छे रेस्तरां में है, तो सॉफ्ट फ्रंट और हल्की राउंड शैप वाले शूज कैरी करें।



कलर्स में ले सकते हैं। ट्रेंड व स्टाइलिश लुक के लिए जींस या ट्राउजर को फोल्ड करके इनके साथ कैरी करें।

- लेस-अप्स पॉइंटेड शूज : बेशक ये सबसे खराब दिखने वाले शूज हैं, जो आपकी इमेज खराब कर सकते हैं। इन दिनों नेरो ट्राउजर्स और स्लिम फिट का ट्रेंड है। ऐसे में ये फुटवियर्स आपकी कोई हेल्प नहीं करेंगे। यही नहीं, अगर आप इन शूज को पहनते हैं, तो इसका मतलब है कि आप अपने आप से और अपने आसपास के माहौल से एक एकदम अनजान रहते हैं। इससे पहले कि लोग आपकी फैशन सेंस पर हंसे, बेहतर होगा कि आप लुकस पर ध्यान देना शुरू कर दें।



राइट चॉइस

अगर ये लेस-अप्स नहीं हैं और एंकर से ऊपर नहीं जा रहे हैं, तो इन्हें पहनने वाला अपने में खोया रहने वाला होता है। फिर इस नमी वाले मौसम में ये तो ये शूज बिलकुल राइट चॉइस नहीं कहे जा सकते। वैसे, जब कोई पुरुष एंकर से ऊपर शूज पहन रहा होता है, तो इसका मतलब है कि वह एक एक्सट्रीम स्टाइल स्टेटमेंट बनाने की पूरी कोशिश कर रहा है।

व्हाइट रनिंग शूज से परहेज

ये शूज स्पोर्ट्स के लिए होते हैं और इन्हें इसी तक ही लिमिटेड रखें। इन्हें रेग्युलर पहनने वाले आलसी और अपने लुक को ध्यान न देने वाले होते हैं। खासतौर पर तब, जब आप किसी भी तरह के लोअर के साथ इन्हें पहनते हैं। फिर दिल्ली जैसे शहर में तो इन्हें

न्यूज़ इन शॉर्ट



टीबी मुक्त भारत अभियान- एमसीबी का खड़गवां विकासखंड बना रोल मॉडल

घर-घर स्क्रीनिंग और आधुनिक जांच तेज मनेंद्रगढ़- चिरमिरी- भरतपुर- छत्तीसगढ़ के चयनित चार विकासखंडों में एमसीबी जिले का खड़गवां शामिल। डब्ल्यूएचओ और जापाईगो की संयुक्त टीम कर रही है जमीनी मूल्यांकन। 1000 की जनसंख्या पर 1 या उससे कम मरीज रखने का रखा गया है। कड़ा लक्ष्य जैसी आधुनिक तकनीकों से की जा रही है टीबी की पहचान। जमीनी हकीकत परखने खड़गवां पहुंची केंद्रीय और राज्य स्तरीय संयुक्त टीम टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत एमसीबी जिले का खड़गवां विकासखंड अब पूरी तरह से क्षय रोग (टीबी) मुक्त होने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य से चयनित चार विशेष विकासखंडों में खड़गवां को शामिल किया गया है। खड़गवां विकासखंड द्वारा वर्ष 2025 में टीबी उन्मूलन के क्षेत्र में हासिल की गई उपलब्धियों और टीबी मुक्त पंचायतों के दावों की जमीनी हकीकत को परखने के लिए एक उच्च स्तरीय संयुक्त मूल्यांकन टीम खड़गवां पहुंच चुकी है। इस टीम में राज्य स्तरीय अधिकारियों के साथ-साथ थर्ड पार्टी वैधिका संस्था जापाईगो और विश्व स्वास्थ्य संगठन के विशेषज्ञ शामिल हैं। यह टीम निर्धारित मानकों के आधार पर अभियान की गहन समीक्षा कर रही है। शत-प्रतिशत स्क्रीनिंग और आधुनिक जांच पर विशेष जोर विकासखंड के समस्त गांवों में टीबी के संभावित मरीजों की पहचान के लिए सक्रिय खोज अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत उच्च जोखिम समूह जोखिम वाले क्षेत्रों और आबादी की पहचान कर घर-घर जाकर स्क्रीनिंग की जा रही है। एक्स-रे और बलगम जांच टीबी के थोड़े भी लक्षण दिखने पर मरीज का तत्काल छाती का एक्स-रे और बलगम परीक्षण कराया जा रहा है। आधुनिक इन्फ्रारेड-बीमारी की सटीक और जल्द पहचान के लिए आधुनिक मॉलिक्यूलर जांच का उपयोग किया जा रहा है, जिससे शुरुआती स्तर पर ही टीबी का पता चल जाता है। जैसे ही किसी मरीज में टीबी की पुष्टि होती है, तुरंत उसका उपचार शुरू कर स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा नियमित निगरानी (फ्री मेडिसिन और फॉलो-अप) की जा रही है। क्या है टीबी मुक्त विकासखंड का मानक? स्वास्थ्य विभाग के कड़े मानकों के अनुसार, किसी भी क्षेत्र को टीबी मुक्त घोषित करने के लिए प्रति एक हजार की जनसंख्या पर नोटिफाइड (पंजीकृत) टीबी मरीजों की संख्या 1 या उससे कम होनी चाहिए। हालांकि, विभाग ने स्पष्ट किया है कि केवल आंकड़ों में मरीजों की संख्या कम होना ही टीबी मुक्ति का प्रमाण नहीं है। केंद्रीय टीम यह भी बारीकी से देख रही है कि क्षेत्र में संभावित मरीजों की खोज के लिए पर्याप्त संख्या में जांचें की गई हैं या नहीं, ताकि जांच के अभाव में कोई भी मरीज छूट न जाए।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अविनाश खरे ने बताया खड़गवां विकासखंड को टीबी मुक्त बनाना हमारे स्वास्थ्य अमले के लिए एक बड़ी प्राथमिकता और गौरव का विषय है। हमारा उद्देश्य केवल आंकड़ों में मरीजों की संख्या कम करना नहीं है, बल्कि हर एक संभावित मरीज तक पहुंचना है ताकि कोई भी संक्रमित व्यक्ति बिना इलाज के न छूटे। हम ग्रामीण स्तर पर मितानिनों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के माध्यम से घर-घर जाकर स्क्रीनिंग करवा रहे हैं। आधुनिक इन्फ्रारेड मॉलिक्यूलर टेस्ट और डिजिटल एक्स-रे की मदद से टीबी की पहचान बहुत तेज हुई है। खड़गवां में चल रहे इस सघन अभियान और बेहतर इलाज के दम पर हमें पूरा विश्वास है कि संयुक्त टीम के मूल्यांकन में हमारा विकासखंड टीबी मुक्ति के सभी मानकों पर खरा उतरगा। टीबी हारंगार, देश जीतेगा का संकल्प जमीनी स्तर पर सच साबित हो रहा है।

बंदियों की सुविधाओं, भोजन की गुणवत्ता एवं जेल में भेदभाव की स्थिति का लिया जायजा

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने किया उप जेल मनेंद्रगढ़ का निरीक्षण

महेंद्र शुक्ला > एमसीबी

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार उच्चतम न्यायालय के रिट पिटीशन सुकन्या संस्था विरुद्ध यूनिन ऑफ इंडिया एवं अन्य में पारित निर्णय के अनुपालन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बैकटुपुर द्वारा उप जेल मनेंद्रगढ़ का निरीक्षण किया गया। 26 सितंबर 2026 को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण योगेश पारिक, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मनेंद्रगढ़ लोकेश कुमार, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बैकटुपुर श्रीमती अमृता दिनेश मिश्रा, विजिटर बोर्ड की सदस्य कलेक्टर मनेंद्रगढ़ सुश्री संतन देवी जांगड़े, एसपी श्रीमती रत्ना सिंह मनेंद्रगढ़ सहित अन्य सदस्यों ने उप जेल मनेंद्रगढ़ का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान बंदियों से जेल में निरुद्ध रहने के दौरान मिलने वाली चिकित्सा, भोजन एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली गई। साथ ही सभी बंदियों को समय पर विधिक सेवाएं उपलब्ध कराते तथा किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होने के संबंध में जानकारी सुनिश्चित की गई।



निरीक्षण बोर्ड द्वारा बंदियों से व्यक्तिगत रूप से चर्चा की गई। इस दौरान उप जेल मनेंद्रगढ़ में जातिगत भेदभाव अथवा अन्य किसी प्रकार का भेदभाव नहीं पाया गया। इसके अलावा जेल के इंफ्रस्ट्रक्चर, बंदियों के बैक, बंदियों के उपयोग के लिए बनाए गए शौचालयों की स्थिति एवं साफ-सफाई का भी जायजा लिया गया। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं कलेक्टर मनेंद्रगढ़ ने बंदियों

को दिए जा रहे भोजन की गुणवत्ता की जांच की तथा बंदियों से उनकी समस्याओं के संबंध में चर्चा की। जेल में स्थापित लीगल एड क्लिनिक में उपलब्ध सुविधाओं एवं इसके माध्यम से बंदियों को प्रदान की जा रही विधिक सहायता का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पैनल अधिवक्ता विनोद पासी एवं पैरालीगल कॉन्सल्टेंट्स उपस्थित रहे।

एकलव्य विद्यालय से स्वास्थ्य केंद्र तक कलेक्टर ने परखी व्यवस्थाएं

पिछेराबांध में निर्माणाधीन एकलव्य आवासीय विद्यालय, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं पशु चिकित्सालय बहरासी का निरीक्षण; कार्यों में गुणवत्ता और योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के निर्देश

एक सत बुलेटिन > एमसीबी

कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में संचालित एवं निर्माणाधीन शासकीय संस्थानों की व्यवस्थाओं और विकास कार्यों की जमीनी स्थिति का जायजा लेने के लिए पिछेराबांध एवं बहरासी क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने पिछेराबांध में निर्माणाधीन एकलव्य आवासीय विद्यालय तथा बहरासी स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं पशु चिकित्सालय का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों से कार्यों और व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों को गुणवत्तापूर्ण



एवं निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने तथा शासकीय योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार, एसडीएम भरतपुर शशि शेखर मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर स्वप्निल वर्मा एवं सुश्री नेहा खलटो उपस्थित रहे।

निर्माणाधीन एकलव्य विद्यालय में निर्माण कार्यों की समीक्षा

कलेक्टर ने पिछेराबांध में निर्माणाधीन एकलव्य आवासीय विद्यालय का निरीक्षण कर भवन निर्माण की वर्तमान प्रगति का अवलोकन किया। उन्होंने निर्माणाधीन भवन के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण करते हुए निर्माण की गुणवत्ता, उपयोग की जा रही



सामग्री, निर्धारित मापदंडों तथा कार्य की गति की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से अब तक पूर्ण हुए कार्यों और शेष कार्यों की स्थिति के साथ कार्य पूर्ण होने की संभावित समय-सीमा के संबंध में जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि निर्माण कार्य में निर्धारित तकनीकी मापदंडों का अनिवार्य रूप से पालन किया जाए। गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न हो और निर्माण कार्य समय-सीमा के भीतर पूरा किया जाए।

उन्होंने कहा कि एकलव्य आवासीय विद्यालय में दूरस्थ एवं जनजातीय क्षेत्रों के विद्यार्थियों को शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। इसलिए विद्यालय भवन में विद्यार्थियों के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण के साथ

पढ़ाई का स्तर बेहतर करने जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित

परख-2024 के परिणामों के आधार पर कमजोर अधिगम दक्षताओं में सुधार पर जोर

एक सत बुलेटिन > गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

जिले में विद्यार्थियों के पढ़ाई के स्तर को बेहतर बनाने के उद्देश्य से जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) पेंड्रा के सभाकक्ष में गुरुवार को जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में परख-2024 के परिणामों की कक्षा एवं विषयवार समीक्षा कर कमजोर अधिगम दक्षताओं के कारणों और उनमें सुधार के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। यूनिसेफ रायपुर के शिक्षा विशेषज्ञ श्री रवि दयाल ने प्रोजेक्टर के माध्यम से परख-2024 के परिणाम साझा करते हुए कक्षा एवं विषयवार उच्च और निम्न दक्षता वाले विद्यार्थियों की स्थिति की जानकारी दी। उन्होंने उपलब्ध मूल्यांकन आंकड़ों, क्षेत्रीय अनुभवों एवं कक्षा अवलोकन के आधार



पर जिले की वास्तविक स्थिति का विश्लेषण करने पर जोर दिया।

प्रतिभागियों को जिला स्तरीय प्रारूप में अधिगम परिणाम एवं दक्षता स्तर से संबंधित जानकारी भरने का व्यावहारिक अभ्यास भी कराया गया। परख मूल्यांकन के निष्कर्षों के आधार पर अधिगम स्तर में गिरावट के कारणों का गहन विश्लेषण कर सुधारात्मक कार्ययोजना तैयार करने के लिए तीन वर्किंग ग्रुप गठित किए गए हैं। ये टीमों जिले के तीनों विकासखंडों के चयनित विद्यालयों का भ्रमण करेंगी। प्रत्येक टीम में डाइट के व्याख्याता,

विकासखंड शिक्षा अधिकारी, विकासखंड स्रोत समन्वयक एवं संकुल समन्वयक शामिल हैं। जिला शिक्षा अधिकारी श्री रजनीश तिवारी ने परख-2024 के परिणामों की गंभीरता से लेते हुए प्रत्येक विद्यालय में उपचारात्मक शिक्षण योजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षण कार्य केवल पाठ्यपुस्तक पूर्ण करने तक सीमित न होकर गतिविधि आधारित होना चाहिए तथा परख रिपोर्ट में चिन्हित कमजोर दक्षताओं पर विशेष ध्यान देकर सुधारात्मक कार्य किया जाए।

कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के निर्देश पर चंदनीडीह में NDRF का रेस्क्यू अभियान जारी

198 लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू कर पहुंचाया गया सुरक्षित स्थानों पर, अभियान लगातार जारी

एक सत बुलेटिन > रायपुर

बाढ़ प्रभावित ग्राम चंदनीडीह एवं श्रीलंका पारा में कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के निर्देश पर राहत एवं बचाव कार्य लगातार जारी है। प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के लिए हथकण्ड की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंचकर लगातार बचाव अभियान चला रही है।

हथकण्ड की टीम द्वारा अब तक 198 लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू किया जा चुका है। प्रभावित क्षेत्रों में रेस्क्यू अभियान अभी भी जारी है तथा स्थिति के अनुसार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

रेस्क्यू के बाद प्रभावित लोगों के ठहरने के लिए आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 1, 2 एवं 3, सामुदायिक भवन दुर्गा चौक, सामुदायिक भवन रेतखोली चंदनीडीह तथा शासकीय प्राथमिक शाला चंदनीडीह



को सुरक्षित पुनर्वास स्थल के रूप में उपयोग किया जा रहा है। यहां प्रभावित लोगों के लिए आवश्यक राहत एवं मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है।

प्रशासन एवं बचाव दल द्वारा प्रभावित क्षेत्रों की लगातार निगरानी की जा रही है और जरूरत के अनुसार तत्काल रेस्क्यू एवं

उमरवाह में 19.95 लाख रुपये की लागत से बना स्टॉप डेम, सिंचाई के साथ वन्यजीवों के लिए भी बना जलस्रोत



एमसीबी जिले के भरतपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम उमरवाह में जल संरक्षण और स्थानीय जरूरतों को ध्यान में रखते हुए स्टॉप डेम निर्माण कार्य कराया गया है। खसरा नंबर 85 में 19.95 लाख रुपये की लागत से निर्मित स्टॉप डेम से क्षेत्र में जल संचयन को बढ़ावा मिला है। यह जल संचयन ग्रामीणों के लिए उपयोगी साबित होने के साथ-साथ आसपास के प्राकृतिक क्षेत्र और वन्यजीवों के लिए भी महत्वपूर्ण जलस्रोत के रूप में काम कर रही है।

स्टॉप डेम में पानी के उद्धार से स्थानीय स्तर पर जल उपलब्धता बढ़ी है। इसका उपयोग खेती क्षेत्र में सिंचाई कार्य के लिए किया जा रहा है। इससे मुक्तिधाम परिसर के आसपास आवश्यक हरियाली और पौधों की देखभाल के लिए पानी उपलब्ध कराने में सुविधा मिल रही है। जल संचयन के कारण वर्षा जल को रोककर उसका उपयोग स्थानीय आवश्यकताओं के लिए किया जा रहा है। सिंचाई के लिए भी मिल रहा पानी उमरवाह क्षेत्र में फसलों को सिंचाई के लिए भी मिल रहा पानी। स्टॉप डेम में जल संचयन होने से गमी एवं मौसमों में वन्यजीवों के लिए भी पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिल रही है।